लखनऊ

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

गुरुवार, 31 जुलाई, 2025
वर्ष : 11 । अंक: 22
मूल्य : 1 रुपये
पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

काम वह वस्तु नहीं है जिससे किसी व्यक्ति की पराजय होती है, वास्तव में वह वस्तु चिंता है। - हेनरी वार्ड बीचर

TODAY WEATHER

DAY 37° Hi | NIGHT 26° Low

ब्रिक्स में मुंबई हमले की बात तक नहीं उठाई थी और डिप्लोमेसी की बात कर रहे हैं..राज्यसभा में विपक्ष पर भड़के जयशंकर

नई दिल्ली, एजेंसी। राज्यसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान विदेश मंत्री डॉ। एस जयशंकर ने कहा कि आतंकवाद के खात्मे के लिए हमने ग्लोबल एजेंडा बनाया है। चाहे ब्रिक्स (BRICS) हो, एससीओ (SCO) हो, क्वाड (QUAD) हो या द्विपक्षीय स्तर हो, हमने पाकिस्तान को दुनिया में बेनकाब किया है। मुंबई हमले पर चुप रहने वाले हमें ज्ञान दे रहे हैं कि हमें क्या करना चाहिए। मुंबई हमले के दोषी तहव्वुर राणा को मोदी सरकार की कोशिशों के जरिए भारत वापस लाया गया। आज उसपर कई मुकदमें चल रहे हैं।

विदेश मंत्री ने आगे कहा कि हमने पहलगाम हमले को लेकर भारत का पक्ष मजबूती से UN में रखा। UNSC की रिपोर्ट में कहा गया कि लश्कर के समर्थन के बिना हमला संभव नहीं था, लश्कर-ए-तैयबा और TRF के बीच संबंध है। भारत ने वित्तीय कार्रवाई कार्य बल के जरिए एफएटीएफ प्रक्रिया को रणनीतिक हथियार की तरह इस्तेमाल करते हुए पाकिस्तान पर कठोर दबाव डाला।

खून और पानी एक साथ नहीं बहेंगे- जयशंकर

सिंधु जल संधि पर विदेश मंत्री डॉ। एस जयशंकर ने कहा कि जब तक पाकिस्तान पूरी तरह से आतंकवाद को अपना समर्थन देना बंद नहीं कर देता तब तक सिंधु जल संधि स्थगित ही रहेगी, क्योंकि खून और पानी एक साथ नहीं बहेंगे। उन्होंने आगे कहा कि सिंधु जल संधि अनोखे समझौतों में से एक है। मैं दुनिया के किसी भी ऐसे समझौते को लेकर नहीं सोच सकता, जहां पर किसी देश ने अपनी प्रमुख नदियों पर पूरा अधिकार किए बिना ही उसका जल दूसरे देश में बहने दिया हो। ये पूरी तरह से एक असाधारण समझौता था। इस समझौते को हमने स्थगित कर दिया है तो उसके इतिहास पर ध्यान देना जरूरी है। मैंने कल कुछ लोगों को ये कहते हुए सुना कि वो इतिहास से बेचैन हैं। उन्हें ये शोभा नहीं देता कि वो खाली कुछ ही चीजों को याद रखना चाहते हैं जिनको वो पसंद करते है। वो ऐतिहासिक चीजों को भुला देना चाहते हैं।

ऑपरेशन सिंदूर पर भारत की स्पष्ट नीति

एस जयशंकर ने कहा कि उनको कान खोल कर सुन लेना चाहिए राष्ट्रपति ट्रंप और प्रधानमंत्री मोदी के बीच में 22 अप्रैल से 16 जून तक फोन पर कोई भी बातचीत नहीं हुई। जब ऑपरेशन सिंदूर की शुरुआत हुई, तब कई देशों ने हमसे संपर्क किया वो जानना चाहते थे कि हालात कितने गंभीर हैं और यह संघर्ष कब तक चलेगा। हमने हर देश को साफ-साफ एक ही संदेश दिया कि भारत किसी भी तरह की मध्यस्थता स्वीकार नहीं करेगा। हमारे और पाकिस्तान के बीच किसी भी तरह की बातचीत केवल द्विपक्षीय आधार पर ही होगी।

'मैं उनको कहना चाहता हूं, वो कान खोलकर सुन लें..', ट्रंप के दावों पर जयशंकर ने दिया जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑपरेशन सिंदूर पर भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने बुधवार को राज्यसभा में सरकार का पक्ष रखा। इस दौरान उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर विपक्ष के सवालों के जवाब दिए। अपने वक्तव्य में विदेश मंत्री ने साफ कहा कि संघर्ष विराम को लेकर प्रधानमंत्री मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के बीच 22 अप्रैल से लेकर 16 जून 2025 के दौरान कोई बातचीत नहीं हुई।

ट्रंप के संघर्ष विराम के दावों पर जयशंकर ने दिया ये जवाब

राज्यसभा में विपक्षी सांसदों ने अमेरिकी राष्ट्रपति के संघर्ष विराम के दावों पर सरकार से स्पष्टीकरण मांगा और हंगामा किया। इस पर जयशंकर ने विपक्षी सांसदों से कहा कि 'मैं उनको कहना चाहता हूं, वे कान खोलकर सुन लें। 22 अप्रैल से 16 जून तक राष्ट्रपति ट्रंप और पीएम मोदी के बीच एक बार भी फोन पर बात नहीं हुई।' जयशंकर ने कहा कि हमारी राष्ट्रीय नीति है कि कोई भी बातचीत द्विपक्षीय होनी चाहिए। पाकिस्तान के डीजीएमओ की तरफ से संघर्ष विराम का अनुरोध किया गया था।

जयशंकर ने कहा कि 'जब ऑपरेशन सिंदूर शुरू हुआ तो कई देश यह जानना चाहते थे कि स्थिति कितनी गंभीर है और ये हालात कब तक चलेंगे, लेकिन हमने सभी को एक ही संदेश दिया कि हम किसी भी मध्यस्थता के लिए तैयार नहीं हैं। हमारे और पाकिस्तान के बीच कोई भी समझौता द्विपक्षीय तौर पर ही होगा। हम पाकिस्तानी हमले का जवाब दे रहे हैं, और देते रहेंगे। अगर यह लड़ाई रुकनी है, तो पाकिस्तान को इसका अनुरोध करना होगा और यह अनुरोध केवल डीजीएमओ के माध्यम से ही आ सकता है।'

देश के नेतृत्व ने डोनाल्ड ट्रंप के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है, टैरिफ धमकियों पर बोले सपा सांसद राम गोपाल यादव

समाजवादी पार्टी के सांसद राम गोपाल यादव ने अमेरिका के साथ व्यापारिक संबंधों को लेकर केंद्र सरकार की आलोचना की। ऐसा तब हुआ जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारतीय वस्तुओं पर टैरिफ लगाने को लेकर बयाव दिया है। यादव ने कहा कि ऐसा लगता है कि भारतीय नेतृत्व ट्रंप की मांगों के आगे झुक गया है और उनमें अमेरिकी राष्ट्रपति के संभावित झूठों को उजागर करने का साहस नहीं है। ट्रंप ने कहा कि भारत अमेरिकी वस्तुओं पर भारी टैरिफ लगाता है, जिससे अमेरिका को भारतीय निर्यात पर 20% टैरिफ लग सकता है। यादव ने भारत सरकार से ट्रंप की टिप्पणियों के जवाब में कड़ा रुख अपनाने का आग्रह किया और भारत के हितों की रक्षा के लिए ठोस कदम उठाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि ऐसा लग रहा है जैसे हमारे देश का नेतृत्व डोनाल्ड ट्रंप के सामने घुटने टेक चुका है।

'वो हमें गोलियों से भूनते रहे, हम उन्हें बिरयानी खिलाते रहे..', नड्डा ने कांग्रेस पर साधा निशाना

राज्यसभा में 'ऑपरेशन सिन्दूर' पर विशेष चर्चा के दौरान केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर कांग्रेस की पूर्ववर्ती सरकारों पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकारों ने न तो सीमा विकास पर ध्यान दिया और न ही आतंकवाद के खिलाफ कोई सख्त रुख अपनाया।

नड्डा ने कहा, एक पूर्व रक्षामंत्री ने कहा था कि सबसे अच्छी रक्षा यह है कि सीमाओं का विकास ही न किया जाए। उनके अनुसार, अविकसित सीमा विकसित सीमा से ज्यादा सुरक्षित होती है। यही मानसिकता थी, जिसके तहत उस समय काम हो रहा था। उन्होंने यह भी दावा किया कि एक पूर्व गृहमंत्री को कश्मीर जाने से डर लगता था। नड्डा ने कहा, 'उन्होंने कहा था, मुझे कश्मीर जाने में डर लगता है।' हालांकि उन्होंने किसी मंत्री का नाम नहीं लिया। नड्डा ने कहा, हम इस देश में अंधेरे में जी रहे थे। उन्होंने कहा, 2014 से 2025 के बीच जम्मू-कश्मीर को छोड़कर देश में आतंकवादी हमले बंद हो गए हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा, 2005 में दिल्ली में सीरियल बम धमाके हुए, 2006 में वाराणसी में आतंकवादी हमला हुआ, 2006 में मुंबई में लोकल ट्रेनों में बम धमाके हुए, लेकिन उस समय की सरकार ने कोई कार्रवाई नहीं की। उन्होंने कहा, उस समय भारत और पाकिस्तान के बीच व्यापार और पर्यटन चलता रहा। नड्डा ने कहा, हमारे पास वही पुलिस थी, वही सेना थी, लेकिन राजनीतिक इच्छाशक्ति नहीं थी।

मोदी ने लिया नाम तो ट्रंप पूरी सच्चाई बोल देगा... राहुल गांधी ने कहा– वो अभी ट्रेड डील में भी दबाएगा

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑपरेशन सिंदूर और उसके बाद भारत-पाकिस्तान के बीच अचानक हुए सीजफायर को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी लगातार हमला बोलते रहे हैं। उन्होंने कल लोकसभा में कहा था कि पीएम मोदी ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान साफ तौर पर यह नहीं बोल सके कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का मध्यस्थता संबंधी दावा झूठा है। आज फिर पीएम पर हमला करते हुए लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि पीएम मोदी, ट्रंप का नाम नहीं ले पा रहे क्योंकि उन्हें डर है कि अमेरिकी राष्ट्रपति पूरा सच बता देंगे।

लोकसभा सांसद राहुल गांधी ने आज बुधवार को संसद परिसर में संवाददाताओं से बात करते हुए दावा किया कि पीएम मोदी ने मध्यस्थता संबंधी दावा करने के मामले में राष्ट्रपति ट्रंप का नाम नहीं लिया क्योंकि उन्हें यह पता है कि अगर वह ऐसा करते हैं ट्रंप सारी सच्चाई सामने रख देंगे। सबको मालूम है कि क्या हुआ है।

सीधा बोले ट्रंप झूठ बोल रहे- प्रियंका गांधी

इसी मसले पर कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री दोनों ने गोलमोल तरीके से बात की है. उन्हें सीधा कहना चाहिए कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप झूठ बोल रहे हैं."

ट्रंप पूरी सच्चाई बता देंगे: राहुल गांधी

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल ने कहा, "पीएम मोदी ने यह नहीं कहा कि ट्रंप झूठ बोल रहे हैं। सबको मालूम है कि क्या हुआ है। वह बोल भी नहीं पा रहे, जबकि यही वास्तविकता है। अगर पीएम ने बोल दिया, वह (ट्रंप) खुलकर बोल देंगे और पूरी सच्चाई रख देंगे। इसलिए (मोदी) कुछ नहीं बोल रहे हैं। " अमेरिका के साथ व्यापार समझौते को लेकर राहुल गांधी ने कहा, "अभी वह (ट्रंप) हमसे व्यापार समझौता चाहते हैं। वहां (ट्रंप) दबाएंगे। आप देखना कि कैसा व्यापार समझौता होता है। "

संक्षेप

लद्दाख में सैन्य काफिले पर गिरा विशाल पत्थर, एक अधिकारी समेत 3 जवानों की मौत

लद्दाख। लद्दाख के दुरबुक में एक कार के एक चट्टान से टकराने के कारण इस हादसे में एक अधिकारी और 2 जवानों की मौत हुई है और एक अधिकारी और 2 जवान गंभीर रूप से घायल हुए हैं। अधिकारियों ने आगे बताया कि यह घटना सुबह लगभग 11:30 बजे हुई और बचाव अभियान जारी है। भारतीय सेना की फायर एंड फ्यूरी कॉर्प्स ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि सड़क दुर्घटना: 30 जुलाई 2025 को लगभग 11:30 बजे लद्दाख में एक सैन्य काफिले के एक वाहन पर चट्टान से एक बड़ा पत्थर गिर गया। बचाव कार्य जारी है। लद्दाख में पिछले कुछ दिनों से भारी बारिश और बर्फबारी हो रही है, जिससे इस क्षेत्र में सड़क दुर्घटनाओं में वृद्धि हुई है। कुछ दिन पहले भी ऐसी ही एक घटना सामने आई थी, जिसमें दो लोग उस वाहन से घायल हो गए थे जिसमें वे यात्रा कर रहे थे। बाद में भारतीय सेना की फायर एंड फ्यूरी कोर ने दोनों लोगों को बचा लिया और उन्हें आगे के इलाज के लिए कारू के एक अस्पताल भेज दिया। मानवीय सहायता: लद्दाख के पांग के पास दो लोगों को ले जा रही एक नागरिक कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई। 23 जुलाई को एक्स पर एक पोस्ट में फायर एंड फ्यूरी कॉर्प्स ने बताया था कि वाहन पलटने से यात्री घायल हो गए। इसमें कहा गया था, फायर एंड फ्यूरी कॉर्प्स के जवानों ने घायलों को समय पर चिकित्सा सहायता प्रदान की और उनके वाहन को सफलतापूर्वक बरामद किया। उन्हें आगे के इलाज के लिए कारू के अस्पताल ले जाया गया।

कारगिल युद्ध लड़े सैनिक के परिजनों को बताया बांग्लादेशी, हिंदू संगठन के लोगों पर दस्तावेज जांचने का आरोप

पुणे। कारगिल युद्ध में लड़े पूर्व सैनिक के परिवार ने दावा किया है कि शनिवार रात हिंदुत्ववादी संगठन के लोग उनके घर में घुस आए और नागरिकता साबित करने को कहा। उन्होंने पीड़ित परिवार के कथित तौर पर आधार कार्ड भी जांचे। परिवार ने आरोप लगाया कि हिंदुत्ववादी संगठन के लोगों ने उन्हें बांग्लादेशी बताया। घटना महाराष्ट्र के पुणे के चंदननगर इलाके की है। हकीमुद्दीन शेख भारतीय सेना में सेवा दे चुके हैं और उन्होंने कारगिल युद्ध में भी हिस्सा लिया था। हकीमुद्दीन शेख फिलहाल उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ में अपने परिवार के साथ रहते हैं। वहीं हकीमुद्दीन के दो भाई अपने परिवारों के साथ पुणे में रहते हैं। पुणे में रहने वाले भाई इरशाद शेख ने बताया कि 'शनिवार की मध्य रात्रि जब वे अपने घर पर थे, तभी कुछ लोगों ने उनके घर का दरवाजा खटखटाया। जब दरवाजा खोला गया कई सारे लोग उनके घर में घुस गए। उन लोगों ने हमसे आधार कार्ड दिखाने को कहा। जब हमने आधार कार्ड दिखा दिए तो उन्होंने आधार कार्ड को फर्जी बता दिया।' इरशाद शेख ने बताया कि हमने उन्हें समझाने की कोशिश की कि हम बीते कई दशकों से पुणे में रह रहे हैं। इरशाद ने ये भी बताया कि उनके बड़े भाई सेना में सेवा दे चुके हैं और उनके दो चाचा भी सेना में सेवा दे चुके हैं। इरशाद ने दावा किया कि उन लोगों ने उनकी बात नहीं सुनी और उन्हें बांग्लादेशी बताने लगे। इरशाद शेख का दावा है कि उन लोगों ने जय श्री राम के नारे लगाए।

पहलगाम आतंकी हमला : यूएनएससी ने कहा– टीआरएफ ही जिम्मेदार, लश्कर की भी सीधी भूमिका

नई दिल्ली, एजेंसी। पहलगाम आतंकी हमले पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की एक रिपोर्ट ने पाकिस्तान की पोल खोलकर रख दी है। इस रिपोर्ट में द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) को हमले के लिए जिम्मेदार ठहराया गया है। रिपोर्ट में ये भी कहा गया है कि बिना लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) की मदद के ये हमला नहीं किया जा सकता था। यह पहली बार है, जब पाकिस्तान स्थित एलईटी से जुड़े समूह टीआरएफ का नाम किसी औपचारिक यूएन दस्तावेज में शामिल किया गया है।

यूएनएससी के निगरानी दल की रिपोर्ट के मुताबिक, 22 अप्रैल को पहलगाम में 5 आतंकवादियों ने हमला किया था। उसी दिन टीआरएफ ने जिम्मेदारी ली और घटनास्थल की एक तस्वीर भी प्रकाशित की। समूह ने 23 अप्रैल को अपना दावा दोहराया, लेकिन 26 अप्रैल को इसका खंडन किया। इसके बाद से टीआरएफ ने इस संबंध में कोई बयान नहीं दिया और न ही किसी दूसरे आतंकी संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी ली।

रिपोर्ट में कहा गया है कि कम से कम 2 सदस्य देशों ने संयुक्त राष्ट्र टीम को सूचित किया कि यह हमला एलईटी के समर्थन के बिना नहीं हो सकता था। एक सदस्य देश ने स्पष्ट रूप से कहा कि टीआरएफ और एलईटी में सीधा संबंध हैं। हालांकि, एक तीसरे सदस्य देश ने इससे असहमति जताते हुए दावा किया कि लश्कर-ए-तैयबा अब निष्क्रिय हो चुका है। कूटनीतिक मोर्चे पर इसे भारत की बड़ी जीत माना जा रहा है।

हमले के बाद पाकिस्तान ने यूएनएससी के बयान से टीआरएफ का नाम हटवा दिया था। यूएन की हालिया रिपोर्ट में भी पाकिस्तान के इशारे पर एक देश ने लश्कर को निष्क्रिय संगठन बताया था। यूएनएससी की ये रिपोर्ट इन सभी दावों का खंडन करती है और यूएन के आधिकारिक रिकॉर्ड में टीआरएफ के संदर्भ को फिर से शामिल करती है। 2019 के बाद ये पहली बार है, जब यूएन रिकॉर्ड में एलईटी की गतिविधियों को शामिल किया गया है।

यह मामला यूएनएससी की प्रतिबंध समिति के सामने उठाया जाएगा, जहां भारत को ज्वाइंट पर औपचारिक प्रतिबंध लगाने की उम्मीद है। अगर ऐसा हुआ तो यह भारत की बड़ी कूटनीतिक जीत होगी। रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि आतंकवादी समूह क्षेत्रीय तनाव का फायदा उठा सकते हैं और आतंकवाद-रोधी उपायों की तत्काल आवश्यकता पर बल दिया गया है।

कई राज्यों में मूसलाधार बारिश की चेतावनी, आईएमडी जारी किया अलर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। देशभर में तेज बारिश का दौर लगातार जारी है, जिसके चलते कई राज्यों में जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। कई राज्यों में नदियां उफान पर आने से बाढ़ के हालात बने हुए हैं। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार, राजस्थान के लिए भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है, जबकि हिमाचल प्रदेश, बिहार और मध्य प्रदेश में ऑरेंज और बाकी राज्यों में यलो अलर्ट है। इसे देखते हुए स्थानीय प्रशासन ने लोगों को सतर्क रहने की हिदायत दी है।

राजस्थान में भारी बारिश का दौर थमने का नाम नहीं ले रहा। मंगलवार देर रात से सवाई माधोपुर शहर में हो रही बारिश से कई इलाके जलमग्न हो गए। कई गाड़ियां सड़कों पर पानी के तेज बहाव में बहती नजर आईं। जयपुर मौसम केंद्र ने बुधवार को 6 जिलों में बारिश का रेड और अन्य 24 जिलों में यलो अलर्ट जारी किया है। खराब मौसम को देखते हुए 14 जिलों में स्कूलों की छुट्टी घोषित कर दी गई है। मानसून उत्तर प्रदेश पर भी खूब मेहरबान हो रहा है। मंगलवार को गाजीपुर में सबसे अधिक 113मिमी बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग ने 30 जुलाई के लिए 35 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है, जिनमें से 6 जिलों में जोरदार बारिश का अलर्ट है। मध्य प्रदेश के अशोकनगर, श्योपुर, विदिशा समेत कई जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं। बुधवार को तेज बारिश की संभावना के मद्देनजर भोपाल, नर्मदापुरम, सीहोर, अशोकनगर में स्कूलों की छुट्टी घोषित की है।

आईएमडी ने कहा है कि अगले कुछ दिनों तक उत्तर-पश्चिम, पूर्व और पूर्वोत्तर भारत के कुछ हिस्सों में भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। अगले 7 दिनों के दौरान अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय में भारी से बहुत भारी बारिश जारी रहने की संभावना है। 31 जुलाई तक राजस्थान और मध्य प्रदेश, 30 जुलाई को हिमाचल प्रदेश, महाराष्ट्र, झारखंड, पश्चिम बंगाल और छत्तीसगढ़, 4 अगस्त तक पश्चिम बंगाल, सिक्किम, बिहार में बहुत भारी बारिश का अनुमान है। दिल्ली एनसीआर में मंगलवार को अचानक से हुई तेज बारिश ने लोगों की दिनचर्या प्रभावित कर दी। नोएडा में सड़कों पर 2-3 फीट पानी भरने से कालिंदी कुंज बॉर्डर पर करीब 5 किलोमीटर लंबा जाम लग गया।

दिल्ली हाईकोर्ट ने विकलांगता पेंशन का फैसला रद्द किया

नए सिरे से समीक्षा के लिए ट्रिब्यूनल को भेजा मामला

नई दिल्ली, एजेंसी। सैन्य विकलांगता पेंशन से संबंधित एक आदेश में, दिल्ली उच्च न्यायालय ने सशस्त्र बल न्यायाधिकरण के उस पूर्व आदेश को रद्द कर दिया है। जिसमें एक सेवानिवृत्त वायु सेना सार्जेंट को विकलांगता पेंशन प्रदान की गई थी। न्यायालय ने मामले को नए सिरे से विचार के लिए न्यायाधिकरण को वापस भेज दिया है। इस मामले की सुनवाई 17 जुलाई, 2025 को न्यायमूर्ति सी। हरिशंकर और न्यायमूर्ति अजय दिगपॉल की खंडपीठ द्वारा की गई।

बता दें कि वायु सेना सार्जेंट दिसंबर 2000 में भर्ती हुए थे और 20 साल की सेवा पूरी करने के बाद दिसंबर 2020 में उन्हें सेवामुक्त कर दिया गया था। उन्हें जन्मजात बाइकसपिड महाधमनी वाल्व के साथ

मध्यम महाधमनी स्टेनोसिस और हल्के महाधमनी अपवाह का निदान किया गया था। अधिकारियों द्वारा विकलांगता पेंशन से वंचित किए जाने के बाद, उन्होंने सशस्त्र बल न्यायाधिकरण का दरवाजा खटखटाया। न्यायाधिकरण ने धर्मवीर सिंह बनाम भारत संघ मामले में सर्वोच्च न्यायालय के फैसले का हवाला देते हुए उनके पक्ष में फैसला सुनाया और 1 फरवरी, 2023 को उन्हें विकलांगता पेंशन प्रदान की। इस फैसले को चुनौती देते हुए, भारत संघ का प्रतिनिधित्व केंद्र सरकार के स्थायी वकील (सीजीएससी) प्रेमतोष के। मिश्रा ने किया, जिसमें सार्थक आनंद और प्रारब्ध तिवारी भी उनके सहयोगी रहे। उन्होंने तर्क दिया कि यह चिकित्सीय स्थिति जन्मजात थी और इसलिए सैन्य सेवा के कारण नहीं थी। संघ का प्रतिनिधित्व वायु सेना विधिक प्रकोष्ठ के सार्जेंट मनीष कुमार सिंह और सार्जेंट मृत्युंजय ने अदालत में किया। सार्जेंट कमल कुमार की ओर से, अधिवक्ता राज कुमार ने तर्क दिया कि यद्यपि यह स्थिति जन्मजात थी, लेकिन सेवा के दौरान दो दशकों में इसके बिगड़ने से पता चलता है कि सैन्य कर्तव्यों के कारण यह स्थिति और बिगड़ गई थी। उन्होंने तर्क दिया कि इस स्थिति के बिगड़ने के कारण विकलांगता पेंशन प्रदान करना उचित है।

उच्च न्यायालय ने स्थिति की जन्मजात प्रकृति पर ध्यान दिया, लेकिन इस बात पर ज़ोर दिया कि यह सेवा के कारण स्थिति के बिगड़ने की संभावना को स्वतः ही समाप्त नहीं करता। न्यायालय ने पाया कि न्यायाधिकरण इस पहलू की पर्याप्त जांच करने में विफल रहा है। न्यायमूर्ति सी। हरिशंकर ने कहा कि प्रतिवादी को अभी भी यह तर्क देने का अधिकार है कि बाद में विकसित होने वाली चिकित्सा जटिलताएं सैन्य सेवा से जुड़ी थीं या उसके कारण और बिगड़ गईं।

इसके मद्देनजर, उच्च न्यायालय ने सैन्य न्यायाधिकरण के फरवरी 2023 के आदेश को रद्द कर दिया और मामले को नए सिरे से सुनवाई के लिए वापस भेज दिया। न्यायाधिकरण को 12 अगस्त, 2025 को मामले की फिर से सुनवाई करने का निर्देश दिया गया है, और न्यायालय ने मामले की प्रकृति को देखते हुए शीघ्र सुनवाई का आग्रह किया है। इस फैसले में स्पष्ट किया गया है कि जन्मजात चिकित्सा समस्याओं वाले सैन्यकर्मी विकलांगता पेंशन प्राप्त करने के लिए स्वतः ही अयोग्य नहीं हो जाते। यदि सेवा के कारण विकलांगता में वृद्धि हो जाती है, तो उनके दावों पर गंभीरता से और गहन विचार किया जाना चाहिए।

तृणमूल का वोट बैंक बांग्लादेशियों और रोहिंग्याओं से बना है..., टीएमसी पर सुकांत मजूमदार का निशाना

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने बुधवार को चुनावी राज्य बिहार में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के विरोध में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी इस विरोध प्रदर्शन का समर्थन इसलिए कर रही है क्योंकि वे अपना वोट बैंक बचाना चाहते हैं, जिसमें मुख्य रूप से रोहिंग्या और बांग्लादेशी शामिल हैं। केंद्रीय मंत्री ने एएनआई को बताया कि टीएमसी ने हमेशा ऐसा इसलिए किया है क्योंकि उन्हें पता है कि उनका वोट बैंक रोहिंग्या और बांग्लादेश से आए मुसलमानों से बना है, इसलिए वे ऐसा कर रहे हैं ताकि उन लोगों का नाम न कट जाए।

मजूमदार ने कहा कि मुझे लगता है कि चुनाव आयोग को इस पर ध्यान देना चाहिए क्योंकि इससे पहले, जब सीपीआई (एम) सत्ता में थी, तो उन्होंने भी चुनाव आयोग पर सवाल उठाए थे। उस समय, सीपीएम के बंगाल चैप्टर के नेता बिमान बोस और अन्य ने चुनाव आयोग पर सवाल उठाए थे। उस समय, चुनाव आयोग ने अखिल भारतीय महासचिव को कारण बताओ नोटिस भेजकर उनसे टिप्पणी पर स्पष्टीकरण मांगा था।

टीएमसी आरोप लगाती रही है कि भारतीय जनता पार्टी शासित राज्यों में बंगाली भारतीयों के साथ दुर्व्यवहार किया गया है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी बंगाल से बाहर जाने वाले प्रवासियों को सरकार की ओर से हर संभव सहायता का आश्वासन देने के लिए राज्य में एक रैली निकाली है।

विवादों में रहने वाली ग्राम सचिव पर लगा गबन व हेराफेरी का आरोप

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुलतानपुर। शासकीय धनों में गबन एंव हेराफेरी के आरोप में लगी जांच आखिर कितने कदम तक चलती है, यह देखने वाली बात होगी । जिले के कूरेभार ब्लॉक के बनमई ग्राम पंचायत के शिकायतकर्ता रवि प्रताप सिंह ने शगुफ्ता शबनम पंचायत सचिव, ग्राम पंचायत अधिकारी एंव इरसाद हुसैन सिद्दीकी (एम एस आजाद ट्रेडर्स), व अन्य ग्राम पंचायत में हुए गबन की शिकायत की थीं। जिसकी जांच जिला कार्यक्रम अधिकारी को मिली है। खैर शगुफ्ता शबनम पर जांच होना कोई नयी बात नहीं है। जांच होती हैं, रसूखदारों के चलते बहाल हो जाती हैं। इस गबन में पूरा खेल सचिव शगुफ्ता शबनम के पति सलमान का होता है, जो अपनी पत्नी शगुफ्ता शबनम के कार्यों का देखरेख करता है और पत्नी का फर्जी हस्ताक्षर बनाकर लाखों रुपए का वारा-न्यारा करता है। शिकायतकर्ता रवि प्रताप सिंह के अनुसार पूर्व सचिव शगुफ्ता शबनम का ट्रांसफर धनपतगंज ब्लॉक में करीब एक महीने पहले हो गया, परंतु शगुफ्ता शबनम के पति सलमान अपने रसूख और दबदबे की वजह से अभी तक कूरेभार ब्लॉक का कार्यभार नहीं छोड़ें हैं और धनपतगंज ब्लॉक जाकर ज्वाइन नहीं भी किया। ऐसे में पूरे मामले को गंभीरता से देखने पर सवाल उठता है कि जांच रिपोर्ट में अपात्र होने के बाद भी पैसों की रिकवरी ना होना,, पूर्व सचिव शगुफ्ता शबनम का कूरेभार ब्लाक से धनपतगंज ब्लॉक ट्रांसफर होने के बाद भी ज्वाइन ना करना कहां तक उचित और नियमानुसार है। पंचायत सचिव शगुफ्ता शबनम के ऊपर ऐसे आरोप नये नहीं हैं। आपको बताते चलें कि प्रधान का डिजिटल हस्ताक्षर चोरी कर सात लाख 65 हजार रूपये निकाल लेने की वित्तीय गड़बड़ी और अन्य आरोपों में कूरेभार ब्लॉक के डीहढग्गूपुर की पंचायत सचिव शगुफ्ता शबनम को जिला पंचायत राज अधिकारी अभिषेक शुक्ल ने निलंबित कर दिया था। कूरेभार ब्लॉक के डीहढग्गूपुर की प्रधान भारती गुप्ता ने डी.पी.आर.ओ से शिकायत की थी, कि पंचायत सचिव शगुफ्ता ने डिजिटल हस्ताक्षर अपने पास रख कर धन की निकासी कर गबन किया था। ए.डी.ओ पंचायत ने जांच में पाया कि ग्राम पंचायत से पंचम राज्य वित्त एवं 15वां वित्त आयोग के तहत सात लाख 65 हजार 807 रूपए निकाल लिए गयें थें, तो ऐसे में सवाल यह हैं कि क्या ऐसे भ्रष्ट पंचायत सचिव पर कौन से अधिकारी मेहरबानी कर रहे हैं।

परिवार परामर्श केंद्र की पहल से बचा टूटता घर,पति-पत्नी में हुई सुलह'

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

पूरनपुर, पीलीभीत। परिवार परामर्श केंद्र पूरनपुर में बुधवार को मानवता और आपसी समझ का भावुक दृश्य देखने को मिला। विकास और उनकी पत्नी किरण देवी के बीच लंबे समय से चल रहे पारिवारिक विवाद का समाधान काउंसलरों की सूझबूझ से कर दिया गया। दोनों ने आपसी मतभेद भुलाकर फिर से साथ जीवन बिताने का निर्णय लिया, जिसे देखकर सभागार में मौजूद लोग भी भावुक हो उठे। अंत में दोनों को मिठाई खिलाकर ससम्मान विदा किया गया। पूरनपुर तहसील सभागार में हर बुधवार को लगने वाले परिवार परामर्श केंद्र में लगातार ऐसे मामले सामने आते हैं, जहां पति-पत्नी के बीच मनमुटाव को काउंसलर शांतिपूर्ण तरीके से सुलझा रहे हैं। इस बार कासिम और मीनू के बीच रिश्तों में आयी दरार को भरने में सफलता मिली। परामर्श केंद्र में तैनात प्रशिक्षित काउंसलरों ने दोनों से अलग-अलग बातचीत कर उनके मन की बात समझी और आपसी विश्वास की डोर को फिर से जोड़ा।विवाहिक कलह के कारण दोनों पक्ष कोर्ट-कचहरी तक जाने को तैयार थे, लेकिन परामर्श केंद्र की मध्यस्थता से न सिर्फ रिश्ते फिर से पटरी पर लौटे, बल्कि एक और मुकदमा दर्ज होने से भी बच गया। काउंसलरों का कहना है कि आपसी बातचीत और समझदारी ही किसी भी रिश्ते की नींव होती है, और अगर सही समय पर संवाद हो, तो बड़े से बड़ा विवाद भी हल हो सकता है।पूरनपुर तहसील में संचालित परिवार परामर्श केंद्र लगातार ऐसे प्रयास कर रहा है, जिससे समाज में टूटते रिश्तों को फिर से जोड़ा जा सके। इसका सकारात्मक असर यह है कि ऐसे मामलों में मुकदमों की संख्या में गिरावट आई है और लोगों का विश्वास इस व्यवस्था पर बढ़ा है।परामर्श केंद्र के काउंसलरों ने लोगों से अपील की है कि यदि कोई वैवाहिक या पारिवारिक विवाद हो, तो पहले आपसी बातचीत और काउंसलिंग का सहारा लें, ताकि रिश्तों की डोर टूटने से बचाई जा सके। यह पहल समाज में शांति और सौहार्द बनाए रखने की दिशा में एक मजबूत कदम है। इस मौके पर आरक्षी कंचन नायक आरती पासवान, फखरुल मंजरी ,पवन यादव,ऋतुराज शर्मा,मुरारी श्रीवास्तव,सुनील कुमार वर्मा, कांउसलर्स उपस्थिति रहे।

डीएम-एसपी ने जिला कारागार का किया औचक निरीक्षण

पीलीभीत। जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह एवं पुलिस अधीक्षक अभिषेक यादव ने जिला कारागार का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कारागार में बन्दियों के किशोर बैरक, महिला बैरक, अन्य बैरकों का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने बैरक के निरीक्षण के दौरान बंदियों से बातचीत करते हुये उनकी समस्याओं का संज्ञान लेते हुये सम्बन्धित अधिकारियों को त्वरित निस्तारण करने हेतु निर्देशित किया। जिलाधिकारी ने महिला बैरक में महिला बन्दियों से बातचीत करते हुये उपलब्ध कराई जा रही व्यवस्थाओं के सम्बन्ध में जानकारी ली गई। किशोर बैरक के निरीक्षक के दौरान उन्होंने इच्छुक किशोरों को कम्प्यूटर शिक्षा दिलाऐं जाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जेल अधीक्षक को निर्देशित किया कि मानक के अनुरूप बंदियों को समस्त सुविधायें उपलब्ध कराई जाये।

सत्यनिष्ठा से संवैधानिक कर्तव्यों का पालन के लिए मोस्ट करेगा सत्याग्रह

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुलतानपुर। कंपोजिट विद्यालय समरथपुर में कार्यरत शिक्षक ओम प्रकाश की नाक रगड़वाने आदि अमानवीय व्यवहार के विरोध में मोस्ट की कोर कमेटी ने सत्याग्रह का निर्णय लिया है। संस्थान ने आरोप लगाया है कि शिक्षक ओम प्रकाश को असामाजिक तत्वों द्वारा जबरन नाक रगड़वाया गया, जो कि यह निंदनीय और अपमानजनक कृत्य है। इस घटना से शिक्षक समुदाय ही नहीं, बल्कि पूरे समाज में भय और असुरक्षा का वातावरण उत्पन्न हो गया है।

मोस्ट ने इस अमानवीय कृत्य के विरोध में बीते 24 जुलाई को जिलाधिकारी को एक मांग पत्र सौंपा था, जिसमें मांग की गई थी कि पीड़ति शिक्षक ओम प्रकाश को तत्काल बहाल किया जाए एवं उनकी तैनाती किसी अन्य विकासखंड में की जाए तथा अमानवीय कृत्य करने वाले असामाजिक तत्वों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई की जाए एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को नेचुरल जस्टिस एवं दोहरी सजा से बचने की प्रक्रिया से अवगत कराया जाए व शिक्षकों में कानून के प्रति विश्वास बहाल करने हेतु आवश्यक कदम उठाए जाएं। संस्थान का आरोप है कि उपरोक्त मांगों के बावजूद अब तक प्रशासन की ओर से कोई कार्यवाही नहीं की गई है, जिससे क्षुब्ध होकर वरिष्ठ मोस्ट पदाधिकारियों की मीटिंग में रिटायर्ड नेवी ऑफिसर राम उजागिर यादव, से.नि. शिक्षक डॉ. कमालुद्दीन, से.नि. वरिष्ठ लिपिक रज्जन प्रसाद के नेतृत्व मोस्ट के लोग जिला प्रशासन सुलतानपुर के समक्ष आगामी 12 अगस्त से सत्याग्रह का ऐलान किया है। मोस्ट प्रदेश प्रमुख जीशान अहमद ने कहा कि शिक्षकों की गरिमा पर हमला लोकतंत्र और समाज के भविष्य पर हमला है। जिला प्रशासन को स्वतंत्र-निष्पक्ष, सत्यनिष्ठा से संवैधानिक कर्तव्यों का पालन कराने के लिए मोस्ट के लोग सत्याग्रह करेंगे। उक्त अवसर पर मोस्ट जनरल सेक्रेटरी राम उजागिर यादव, कैप्टन मोस्ट रक्षक दल रोहित निषाद, मीडिया प्रभारी धर्मेंद्र निषाद निषाद आदि लोग उपस्थित रहे।

प्रशासनिक लापरवाही के चलते वर्षों से पैमाइश के लिए भटक रहा किसान

बल्दीराय/सुल्तानपुर। तहसील बल्दीराय क्षेत्र में प्रशासनिक उदासीनता और राजस्व विभाग की लापरवाही के चलते किसान पिछले पांच वर्षों से अपनी जमीन की पैमाइश के लिए दर-दर की ठोकरें खा रहा है। जिलाधिकारी के स्पष्ट आदेश के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो सकी है, जिससे किसान निराश और परेशान है। मिली जानकारी के अनुसार ग्राम सुखबडेरी निवासी किसान चिंतामणि पांडेय ने वर्ष 2020 में तहसील बल्दीराय में धारा 24 के अंतर्गत आवेदन कर अपनी भूमि की पैमाइश करवाने की मांग की थी। उन्होंने बताया कि बार-बार तहसील के चक्कर लगाने के बाद उन्हें पैमाइश का आदेश तो मिल गया, लेकिन राजस्व विभाग के कर्मचारियों की उदासीनता के कारण आज तक जमीन की पैमाइश नहीं हो सकी। किसान का कहना है कि उन्होंने इस संबंध में कई बार शिकायत की और अंततः जिलाधिकारी से भी गुहार लगाई।

इलाहाबाद हाई कोर्ट में अब्बास अंसारी की सजा और दंड स्थगित करने पर अब सुनवाई 30 अगस्त को

आर्यावर्त संवाददाता

प्रयागराज। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने हेट स्पीच के मामले में हुई सजा स्थगित करने की मांग में दाखिल अब्बास अंसारी की पुनरीक्षण याचिका पर सुनवाई के लिए 30 अगस्त की तारीख लगाई है। यह आदेश न्यायमूर्ति समीर जैन ने दिया है।

गौरतलब है कि सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी से मऊ सदर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से एमएलए रहे अंसारी ने 2022 के विधानसभा चुनाव के बाद समाजवादी पार्टी के सत्ता में आने पर राज्य सरकार के अधिकारियों को परिणामों की धमकी दी थी।

इस मामले में ट्रायल के बाद मऊ की स्पेशल कोर्ट एमपी/एमएलए कोर्ट ने अब्बास अंसारी को आईपीसी की धारा 153-ए (विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देना) और 189 (सार्वजनिक सेवक को चोट पहुंचाने की धमकी) के तहत अपराध के लिए दो-दो वर्ष कैद की सजा सुनाई थी। इसके अलावा धारा 506 में एक वर्ष और धारा 171-एफ (चुनाव में अनुचित प्रभाव या व्यक्तिगत पहचान) के तहत अपराध के लिए छह महीने कैद की सजा सुनाई थी।

स्पेशल कोर्ट ने सभी सजाएं एकसाथ चलाए जाने को कहा था। इसके अलावा दो हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया था। भाषण के दौरान मंच पर मौजूद अब्बास अंसारी के चुनाव एजेंट मंसूर अंसारी को भी मामले में दोषी ठहराते हुए छह महीने की कैद की सजा सुनाई गई थी।

इस फैसले के खिलाफ अब्बास अंसारी की अपील मऊ की स्पेशल अपर सत्र न्यायाधीश के समक्ष लंबित है। इसके साथ अंसारी ने सजा को स्थगित करने के लिए प्रार्थना पत्र भी दिया था जिसे गत पांच जुलाई को खारिज कर दिया गया था। इस आदेश के खिलाफ उन्होंने यह पुनरीक्षण याचिका दाखिल की है।

गन्ना उत्पादन में गिरावट का बड़ा कारण मिट्टी में कार्बनिक तत्वों की कमी : भ्रमण में हुआ खुलासा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

पीलीभीत। जिले में गन्ना उत्पादन घटने का मुख्य कारण खेतों की मिट्टी में कार्बनिक पदार्थों की भारी कमी है। यह बात जिला गन्ना अधिकारी खुशी राम भार्गव ने ग्राम वहनपुर, विकास खंड मरौरी में गन्ना समिति के सट्टा प्रदर्शन का निरीक्षण करते हुए कही। इस दौरान उन्होंने किसानों को गन्ना फसल की बढ़वार और अच्छी पैदावार के लिए जरूरी बिंदुओं की जानकारी दी।उन्होंने बताया कि जुलाई का महीना गन्ने की बढ़वार के लिए अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। गन्ने की फसल को 17 आवश्यक पोषक तत्वों की जरूरत होती है, जो तभी उपलब्ध हो पाते हैं जब मिट्टी में पर्याप्त कार्बनिक तत्व हों। हाल ही में जिले के विभिन्न इलाकों से लिए गए मिट्टी के नमूनों के परीक्षण में यह चिंता का विषय सामने आया है कि पीलीभीत के अधिकांश खेतों में कार्बनिक पदार्थ की मात्रा मात्र 0.12 प्रतिशत तक पाई गई है, जबकि यह 0.75 से 1 प्रतिशत के बीच होनी चाहिए।खुशी राम भार्गव ने बताया कि परंपरागत खेती में पशुपालन, विशेषकर गाय पालन से खेतों में गोबर से बनी जैविक खाद जाती थी, जिससे मिट्टी की उर्वरकता बनी रहती थी। लेकिन अब पशुपालन घटने से देसी खाद की मात्रा में भारी कमी आई है, जिसका असर सीधे खेतों की उर्वराशक्ति पर पड़ रहा है।गन्ना विकास विभाग ने किसानों से अपील की है कि खेतों की सेहत सुधारने के लिए दलहनी फसलें जैसे उड़द, मूंग, लोबिया, अरहर और राजमा जरूर बोएं ताकि नाइट्रोजन स्थिरीकरण के साथ मिट्टी में कार्बनिक तत्वों की आपूर्ति हो सके। साथ ही गाय पालन को फिर से अपनाएं और गोबर से बनी देशी खाद (घूर खाद, वर्मी कम्पोस्ट) का भरपूर उपयोग करें।

पति का दिया तीन तलाक खारिज, देवबंद से लाया फतवा भी कोर्ट ने नहीं माना, यह दिया निर्णय

आर्यावर्त संवाददाता

मुजफ्फरनगर। तीन तलाक से जुड़े एक प्रकरण में परिवार न्यायालय का जिले का पहला निर्णय आया है। पति ने दिए तीन तलाक को वैध ठहराने के लिए परिवार न्यायालय में याचिका दायर की, जिस पर दोनों पक्षों की सुनवाई हुई। तीन तलाक को पति न्यायालय में कानूनी एवं धर्म के लिहाज से साबित नहीं कर सका। न्यायालय ने भी पति के कृत्य को गलत ठहराया है, जिसके चलते याचिका को खारिज कर दिया गया। महिला अब उस व्यक्ति की धर्म एवं कानूनन पत्नी बनी रहेगी।

कोतवाली के मुहल्ला पुरानी आबकारी निवासी तसनीम अहमद का निकाह 12 फरवरी 2013 को मेरठ के गांव इंचौली निवासी अंजुम परवीन से हुआ था। पति ने आरोप लगाया था कि अंजुम, पत्नी धर्म नहीं निभाती है। उसे एवं उसके स्वजन को झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकियां देती है।

वर्ष 2018 में दिया था तीन तलाक

वर्ष 2018 में एक साथ तीन तलाक दिया था, उसके बाद उसकी पत्नी घर से चली गई थी। पति ने इस तलाक को कोर्ट द्वारा भी मान्यता दिलाने के लिए तलाक का पहला नोटिस 23 अक्टूबर 2020, दूसरा नोटिस नौ दिसंबर 2020 तथा अंतिम एवं तृतीय नोटिस एक मार्च 2021 को दिया था। इस तलाक का पत्नी अंजुम ने विरोध किया। इस पर तसनीम ने परिवार न्यायालय-दो में तलाक को वैध घोषित कराने के लिए वाद दायर किया था।

परिवार न्यायालय में हुई सुनवाई

महिला के अधिवक्ता शहजाद सिद्दीकी ने बताया कि इस मुकदमे की सुनवाई परिवार न्यायालय की अपर प्रधान न्यायाधीश रीमा मल्होत्रा के न्यायालय में हुई। न्यायालय में सुनवाई के दौरान पति तीन तलाक के साक्ष्य और गवाही को साबित नहीं कर सका।

न्यायालय ने माना कि तीन तलाक को इस्लाम धर्म एवं मुस्लिम महिला (विवाह पर अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम, 2019 के विरुद्ध दिया गया। अधिवक्ता के अनुसार न्यायालय ने पति द्वारा दिए गए तीन तलाक को अवैध ठहराया है। ऐसे में कानूनन एवं इस्लाम धर्म के मुताबिक तसनीम अहमद को अंजुम परवीन को पत्नी के रूप में स्वीकृत रखना होगा। दंपती का एक बेटा है जो मायके में रह रही मां के साथ रहता है।

अधिवक्ता शहजाद ने बताया कि परिवार न्यायालय में पति द्वारा दारुल उलूम देवबंद से लाया गया फतवा भी रखा था, जिसे न्यायालय ने नहीं माना। इतना ही नहीं तलाक नोटिस के बाद पत्नी के साथ गृहस्थ जीवन जारी रखने के लिए समझौता या कोई पहल नहीं की गई। तलाक के दौरान दो बालिग गवाह बताए गए, लेकिन न्यायालय में गवाह संतोषजनक जवाब नहीं दे सके।

ग्राम स्वरोजगार योजना के अंतर्गत दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का हुआ समापन

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। बल्दीराय तहसील क्षेत्र के बिही-निदुरा ग्राम पंचायत में उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा मुख्यमंत्री खाद्य प्रसंस्करण ग्राम स्वरोजगार योजना के अंतर्गत दो दिवसीय प्रशिक्षण 29 जुलाई से 30 जुलाई राजकीय सामुदायिक फल संरक्षण एवं प्रशिक्षण केंद्र सुल्तानपुर के आयोजन में प्रभारी अलगू राम के नेतृत्व में महिला पुरुष को आत्म निर्भर बनाने के लिए प्रशिक्षित किया गया। प्रशिक्षण में आचार बनाने की विधि बताई गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ग्राम प्रधान श्रीपाल पासी ने कहा कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों से खास कर ग्रामीण स्तर की महिलाओं आर्थिक रूप से मजबूत होंगी। प्रशिक्षण सागर प्रसाद वर्मा ने दिया। विशेषज्ञ डॉ प्रेम नाथ प्रेम ने बताया कि आत्म निर्भर बनने के लिए यह एक सरकार का एक महत्वपूर्ण प्रयास है,प्रशिक्षण सर्टिफिकेट मिलने के बाद सरकार इस पर समूह के माध्यम से अनुदान भी देती है। प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले में शशिबाला व अफ़रोज़ ने बताया कि आत्मनिर्भर बनने के लिए सरकार का सुखद प्रयास है।

आईएएस मेधा रूपम की क्यों हो रही चर्चा, यूपी में इस जिले की डीएम बनते ही रचा इतिहास

आर्यावर्त संवाददाता

गौतमबुद्ध नगर। 2014 बैच की IAS अधिकारी मेधा रूपम, इन दिनों सोशल मीडिया से लेकर हर कहीं छाई हुई हैं। दरअसल, उन्होंने बुधवार को गौतमबुद्ध नगर की डीएम बनते ही इतिहास रच दिया। वो पहली यहां की पहली महिला जिलाधिकारी हैं। साल 1997 में यह जिला बना था। तब से लेकर अभी तक यहां कभी कोई महिला डीएम नहीं बनी।

साल 2014 बैच की IAS अधिकारी मेधा रूपम ने बुधवार को सूरजपुर स्थित कलेक्ट्रेट में डीएम का पदभार ग्रहण किया है। गौतमबुद्ध नगर के लिए यह बदलाव प्रशासनिक दृष्टिकोण से एक नया अध्याय माना जा रहा है। मेधा रूपम ग्रेटर नोएडा में पहले भी सराहनीय काम कर चुकी हैं। योगी सरकार ने उनकी कार्यशैली, नेतृत्व, क्षमता और पूर्व अनुभव को देखते हुए उन्हें यह बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है।

मेधा रूपम मूल रूप से आगरा की रहने वाली हैं। उनके पिता ज्ञानेश कुमार केरल कैडर के वरिष्ठ आईएएस अधिकारी रहे हैं, जो वर्तमान में केंद्रीय चुनाव आयुक्त के पद पर कार्यरत हैं। मेधा की प्रारंभिक शिक्षा केरल में हुई और उन्हें खेलों में भी गहरी रुचि रही है। वो राष्ट्रीय स्तर की शूटर भी रह चुकी हैं। प्रशासनिक सेवाओं में आने के बाद मेधा रूपम ने बरेली में सहायक मजिस्ट्रेट के रूप में अपना करियर शुरू किया। इसके बाद वह हापुड़ की जिलाधिकारी रहीं और हाल ही में कासगंज जिले की जिम्मेदारी संभाल रही थीं।

डीएम मनीष कुमार वर्मा का हुआ ट्रांसफर

गौतमबुद्ध नगर के पूर्व डीएम मनीष कुमार वर्मा का तबादला कर उन्हें प्रयागराज का जिलाधिकारी बनाया गया है। वह फरवरी 2023 से जिले की जिम्मेदारी संभाल रहे थे और उनके लगभग ढाई साल के कार्यकाल में जनसुनवाई, प्रशासनिक जवाबदेही और भ्रष्टाचार के विरुद्ध कार्रवाई के कई उदाहरण देखने को मिले। जनता के साथ उनकी सीधी बातचीत और समस्याओं के त्वरित समाधान की शैली के लिए वे सराहे गए।

तेज तर्रार अधिकारियों में से एक हैं मेधा

वहीं, 2014 बैच की आईएएस अधिकारी मेधा रूपम का प्रशासनिक अनुभव काफी समृद्ध रहा है। उन्हें एक तेज तर्रार अधिकारी के रूप में जाना जाता है। इससे पूर्व उन्होंने ग्रेटर नोएडा विकास प्राधिकरण में अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी (ACEO) के रूप में भी करीब एक साल तक काम किया है। ग्रेटर नोएडा विकास प्राधिकरण में फरवरी 2023 से जून 2024 तक कार्यकाल के दौरान उन्होंने औद्योगिक विकास, साफ-सफाई, आर्थिक प्रबंधन और खेल सुविधाओं के विस्तार जैसे कई अहम क्षेत्रों में महत्वपूर्ण पहल की।

जनकल्याणकारी अधिकारी के रूप में पहचान

उनकी कार्यशैली में पारदर्शिता, सक्रियता और नवाचार की झलक साफ देखने को मिलती है। उनके द्वारा शुरू की गई पहलों में इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रियल टाउनशिप में औद्योगिक भूखंडों का आवंटन, पिंक शौचालयों का निर्माण, शहर की सफाई व्यवस्था का सुधार और शहीद विजय सिंह पथिक खेल परिसर को उत्कृष्टता केंद्र के रूप में विकसित करना शामिल हैं। इन कार्यों ने उन्हें एक सक्रिय और जनकल्याणकारी अधिकारी के रूप में पहचान दिलाई।

14 दिनों में 2 .5 लाख पंजीकरण, सात वर्ष बाद आई भर्ती तोड़ सकती है सभी रिकार्ड

आर्यावर्त संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (UPPSC) द्वारा कराई जा रही एलटी ग्रेड सहायक अध्यापक भर्ती-2025 को लेकर अभ्यर्थियों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। सिर्फ 14 दिनों में आयोग की वेबसाइट पर 2.5 लाख नए ओटीआर (वन टाइम रजिस्ट्रेशन) पंजीकरण हुए हैं।

इस रफ्तार को देखते हुए यह संभावना बनती जा रही है कि इस बार आवेदन की संख्या पूर्व की तमाम भर्तियों के रिकार्ड को पार कर जाएगी, जिसमें आरओ-एआरओ-2023 का 10.76 लाख आवेदन का आंकड़ा प्रमुख है।

यूपीपीएससी ने राजकीय विद्यालयों में सहायक अध्यापक प्रशिक्षित स्नातक श्रेणी (LT Grade)-2025 के तहत कुल 7,466 पदों पर भर्ती के लिए आवेदन प्रक्रिया सोमवार 29 जुलाई से शुरू कर दी है।

हालांकि आयोग द्वारा इसका संक्षिप्त विज्ञापन पहले ही 14 जुलाई को जारी कर दिया गया था, जिसके बाद से अभ्यर्थियों में जागरूकता और रुझान लगातार बढ़ता गया।

जब संक्षिप्त विज्ञापन जारी हुआ तब आयोग के पास कुल 21.75 लाख ओटीआर पंजीकरण थे। इसके बाद मात्र छह दिन में यह आंकड़ा 22.26 लाख तक पहुंच गया और फिर अगले नौ दिनों में रिकार्ड तेजी से बढ़कर 24.23 लाख तक पहुंच गया।

यानी इस बीच करीब 2.5 लाख नए पंजीकरण दर्ज किए गए, जो यह दर्शाता है कि बड़ी संख्या में प्रतियोगी इस परीक्षा को लेकर सक्रिय हो चुके हैं।

पिछली बार एलटी ग्रेड भर्ती वर्ष 2018 में हुई थी, जिसमें 15 विषयों में 10,768 पदों के लिए आवेदन मांगे गए थे और करीब साढ़े चार लाख उम्मीदवारों ने आवेदन किया था।

इस बार भले ही पदों की संख्या घटकर 7,466 रह गई है, लेकिन सात वर्षों के लंबे अंतराल और सरकारी नौकरी की बढ़ती मांग के कारण प्रतिस्पर्धा अधिक तीव्र होने की संभावना है। जानकारों का मानना है कि जिस रफ्तार से ओटीआर पंजीकरण बढ़ रहे हैं, उससे यह भर्ती आरओ-एआरओ प्रारंभिक परीक्षा-2023 के 10.76 लाख आवेदन का रिकार्ड भी तोड़ सकती है।

युवा उद्यमी सम्मेलन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बोले- लीक से हटकर काम करें तो दूसरे भी होंगे आपसे प्रेरित

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में दो दिवसीय सीएम युवा कॉन्क्लेव एवं एक्सपो-2025 सम्मेलन का उद्घाटन किया। युवा उद्यमी अभियान योजना को लेकर आयोजित राज्य स्तरीय सम्मेलन में प्रदेश भर के युवा उद्यमी अपने उत्पादों का प्रदर्शन कर रहे हैं।

इस सम्मेलन में विभिन्न विश्वविद्यालयों सहित सरकारी विभागों के साथ 17 एमओयू किए गए। सम्मेलन में युवा उद्यमी योजना के तहत ऋण लेकर अपना व्यवसाय स्थापित करने वाले पांच युवा उद्यमियों ने अपने अनुभव भी साझा किए। सम्मेलन में युवाओं के मार्गदर्शन के लिए विभिन्न उद्यम से संबंधित चार अलग-अलग पैवेलियन

बनाए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने युवाओं से कहा कि वह आगे बढ़ें राह उनका इंतजार कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि सीएम उद्यमी अभियान योजना उत्तर प्रदेश में रोजगार का बड़ा माध्यम बनेगी। इस योजना के माध्यम से जल्द ही उत्तर प्रदेश के युवा अपने लिए रोजगार के अवसर तलाशने के साथ-साथ अन्य युवाओं को भी रोजगार उपलब्ध कराएंगे। उन्होंने कहा कि अब उत्तर प्रदेश का युवा रोजगार देने वाला उद्यमी बनेगा। मुख्यमंत्री ने युवाओं से कहा कि आप लीक से हटकर काम करें तो दूसरे भी आपसे प्रेरित होंगे। उन्होंने सम्मेलन में आए विभिन्न विश्वविद्यालयों के वीसी से कहा कि वह अपने यहां पढ़ाई कर रहे युवाओं को केंद्र व राज्य सरकार की रोजगार परक योजनाओं की ज्यादा से ज्यादा जानकारी दें।

केंद्र व राज्य सरकार ने उत्तर प्रदेश की तस्वीर बदल दी

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले प्रदेश में शासन करने वाली पार्टियों ने परिवारवाद को महत्व दिया था, लेकिन अब केंद्र व राज्य सरकार ने उत्तर प्रदेश की तस्वीर बदल दी है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री बनने के बाद प्रदेश के सभी जिलों का सर्वेक्षण करा कर एक जिला एक उत्पाद योजना लागू की गई। इस योजना में पारंपरिक व्यवसाय को बढ़ावा दिया गया और उत्तर प्रदेश से पलायन कर रहे हस्तशिल्पियों, कारीगरों और उद्यमियों को नई राह दिखाई गई।

ब्याज मुक्त और गारंटी मुक्त

उन्होंने कहा कि 'मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान' एक ऐसी स्कीम है जो ब्याज मुक्त और गारंटी मुक्त है। साथ ही, जितनी आप पूंजी लेंगे उसकी 10% मार्जिन मनी का भी लाभ भी प्रदेश सरकार उपलब्ध करवा रही है। इसी का परिणाम है कि हमने प्रदेश के उन 68 हजार से अधिक युवाओं को अब तक 2,751 करोड़ उपलब्ध कराए हैं, जो नए उद्यमी के रूप में उत्तर प्रदेश की विकास यात्रा में सहभागी बनना चाहते हैं।

'आत्मनिर्भर युवा'

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'आत्मनिर्भर युवा' के विजन को 'मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान' ने जमीनी धरातल पर उतारा है। सीएम युवा उद्यमी स्कीम हमारे युवाओं को केवल अब जॉब लेने तक नहीं, बल्कि जॉब देने की सामर्थ्य प्रस्तुत करने का एक माध्यम भी बनाती है। उत्तर प्रदेश की वन डिस्ट्रिक वन प्रोडक्ट (ODOP) की स्कीम पूरे देश में एक ब्रांड बनी है। यह स्कीम 'आत्मनिर्भर भारत' की आधारशिला बनी है। उत्तर प्रदेश के एक्सपोर्ट को अकेले वन डिस्ट्रिक वन प्रोडक्ट की स्कीम ने 86,000 करोड़ से बढ़ाकर 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक कर दिया है।

पारंपरिक उत्पाद वैश्विक बाजार में अपनी पहचान बना रहे

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश के पारंपरिक उत्पाद वैश्विक बाजार में अपनी पहचान बना रहे हैं। वर्ष 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में दंगे होते थे जिसकी वजह से यहां औद्योगिक निवेश के लिए कोई नहीं आता था।

कार्यक्रम में एमएसएमई मंत्री राकेश सचान ने कहा कि मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में युवा उद्यमी योजना देश की सबसे प्रभावशाली योजना बनेगी। युवा उद्यमी अभियान योजना का शुभारंभ मुख्यमंत्री ने बीती 24 जनवरी को किया था।

संक्षेप

लखनऊ पुलिस ने किया गांजा तस्कर को गिरफ्तार, करीब दो किलो अवैध गांजा बरामद

लखनऊ। थाना कैसरबाग क्षेत्र में पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध गांजा की तस्करी में संलिप्त एक युवक को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए युवक के कब्जे से कुल 1 किलो 900 ग्राम गांजा बरामद किया गया है। यह कार्रवाई पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ द्वारा नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत की गई।पुलिस के अनुसार, 29/30 जुलाई की रात उपनिरीक्षक योगेश चंदेल, उपनिरीक्षक रंजीत कुमार पाठक, उपनिरीक्षक पवन कुमार मौर्या और हेड कांस्टेबल अखिलेश, संदिग्ध व्यक्ति एवं वाहनों की चेकिंग के दौरान जेमिनी होटल के पास मौजूद थे। इसी दौरान एक मुखबिर ने सूचना दी कि दो युवक परिवर्तन चौक की ओर से आ रहे हैं, जो अवैध गांजा बेचते हैं। सूचना पर तुरंत कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने एक युवक को मौके से दबोच लिया जबकि दूसरा भागने में सफल रहा।गिरफ्तार युवक ने अपना नाम शारिक पुत्र तालिब, निवासी मछली मोहल्ला, जम्बूरखाना, थाना कैसरबाग, उम्र 19 वर्ष बताया। तलाशी में उसके पैंट की जेब से 200 ग्राम गांजा बरामद हुआ। पूछताछ में शारिक ने बताया कि उसने गांजा का एक और पैकेट बटलर पार्क के पीछे पेड़ों के पास छिपाकर रखा है। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने मौके से 1 किलो 700 ग्राम गांजा बरामद किया।इस प्रकार कुल 1 किलो 900 ग्राम अवैध गांजा बरामद कर शारिक के खिलाफ थाना कैसरबाग में एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा पंजीकृत कर उसे न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया।यह कार्रवाई लखनऊ पुलिस की टीम द्वारा नशे के खिलाफ प्रभावी अभियान का हिस्सा है, जिससे नशीले पदार्थों की तस्करी पर रोक लगाने के प्रयास तेज़ किए जा रहे हैं।

बंद घरों में चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश, लाखों की ज्वेलरी बरामद

लखनऊ। थाना बिजनौर पुलिस ने बंद मकानों की रेकी कर चोरी करने वाले एक शातिर अभियुक्त और दो बाल अपचारियों को गिरफ्तार करने में बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस की टीम ने इनके कब्जे से लगभग चार लाख रुपये मूल्य के जेवरात बरामद किए हैं। ये गिरफ्तारियां हाल के सप्ताहों में दर्ज हुई कई चोरी की घटनाओं के सिलसिले में हुई हैं, जिनमें बंद घरों को निशाना बनाया गया था।थाना बिजनौर क्षेत्र में बीते कुछ समय से लगातार बंद मकानों में चोरी की घटनाएं हो रही थीं। 30 मई को मोहल्ला पटवारी में एक मकान से नकदी और जेवरात चोरी की घटना हुई थी, जिसमें मुकदमा दर्ज किया गया था। इसके बाद 5 जुलाई को आर्यकुल कॉलेज के पास, 14 जुलाई को चमन कॉलोनी और 23 जुलाई को एक अन्य मामले में अलग-अलग शिकायतकर्ताओं ने बंद पड़े मकानों से समान तरीके की चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। सभी मामलों में बीएनएस की धारा 305(ए) के तहत मुकदमे दर्ज किए गए।चोरी की बढ़ती घटनाओं पर नियंत्रण पाने के लिए थाना बिजनौर पुलिस ने एक विशेष टीम गठित की थी, जिसने सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी साक्ष्यों और मैनुअल सूचनाओं के आधार पर 29 जुलाई की रात करीब 11:55 बजे इन अपराधियों को पकड़ा। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान नितिन पुत्र सुरेश निवासी कंकड़कुआ, थाना बिजनौर, उम्र लगभग 21 वर्ष के रूप में हुई है। उसके साथ दो बाल अपचारियों को भी हिरासत में लेकर संरक्षण में लिया गया है।

विभूतिखण्ड पुलिस ने चैन स्नैचिंग करने वाले दो शातिर बदमाशों को दबोचा, नकदी और बाइक बरामद

लखनऊ। थाना विभूतिखण्ड क्षेत्र में चैन स्नैचिंग की बढ़ती घटनाओं को संज्ञान में लेते हुए पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो शातिर चैन स्नैचर्स को गिरफ्तार किया है। पुलिस की सक्रिय रात्रि गश्त और मुखबिर की सूचना पर की गई इस कार्रवाई में अभियुक्तों के पास से एक पीली धातु की चैन, 21,100 रुपये नकद और वारदात में प्रयुक्त बाइक (टीवीएस राइडर) बरामद की गई।गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान रोमी चौहान (30 वर्ष), निवासी राधापुरम कॉलोनी मटियारी थाना चिनहट और शिवम यादव (19 वर्ष), निवासी कंचनपुर मटियारी थाना चिनहट के रूप में हुई है। पूछताछ में दोनों ने कबूल किया कि वे राह चलते लोगों की चैन या कीमती वस्तुएं छीनकर भाग जाते थे और बाद में उन्हें राहगीरों को बेचकर पैसे से नशा और अन्य शौक पूरे करते थे।अभियुक्तों के आपराधिक इतिहास भी खासी लंबी फेहरिस्त लिए हुए हैं। शिवम यादव के खिलाफ गोमतीनगर, विकासनगर और विभूतिखण्ड थानों में लूट और गंभीर धाराओं में कई मामले दर्ज हैं।

लखनऊ पुलिस ने मृत हिस्ट्रीशीटर का खाका किया नष्ट

लखनऊ (आरएनएस) उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा अपराधियों पर सटीक निगरानी और खुफिया तंत्र को अधिक सक्षम बनाने की दिशा में एक और ठोस पहल की गई है। पुलिस महानिदेशक के निर्देश पर चलाए जा रहे स्मृत हिस्ट्रीशीटर का खाका नष्ट करने के विशेष अभियानस्र के तहत लखनऊ पुलिस ने थाना सआदतगंज से संबंधित एक मृत घोषित हिस्ट्रीशीटर के आपराधिक रिकॉर्ड को विधिसम्मत तरीके से समाप्त कर दिया है। यह कार्रवाई लखनऊ पुलिस आयुक्त अमरेन्द्र कुमार सेंगर के निर्देशन, पुलिस उपायुक्त पश्चिमी विश्वजीत श्रीवास्तव और अपर पुलिस उपायुक्त धनंजय कुशवाहा के पर्यवेक्षण में, सहायक पुलिस आयुक्त बाजारखाला वीरेन्द्र विक्रम सिंह की देखरेख में पूरी की गई। थाना सआदतगंज से संबंधित एचएस नंबर 97ए, मृत हिस्ट्रीशीटर शिवम उर्फ अमन मिश्रा पुत्र स्व. राजू उर्फ राजेश निवासी 358/43 बिहारीपुर, का खाका विधिक प्रक्रिया के तहत नष्ट किया गया।लखनऊ पुलिस की यह कार्रवाई अभिलेखीय व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और अद्यतन बनाए रखने की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है। इससे न केवल पुलिस रिकॉर्ड्स की शुद्धता सुनिश्चित होगी, बल्कि संसाधनों का कुशल उपयोग कर जीवित और सक्रिय अपराधियों पर निगरानी को और सशक्त बनाया जा सकेगा।

महिला पहलवानों ने ताल ठोकी ताल, दी पटकनी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। ब्रिटिश जमाने से आयोजित होने वाले अहिमामऊ के हापें के आखडे में बुधवार को महिला पहलवानों ने ताल ठोककर कुश्ती लड़ते नजर आई। एक ओर आखडे में जहां बुजुर्ग विनय कुमारी ने सुशीला को वही राजकली ने पूनम को पटकनी दी। तो वहीं आयुषी ने प्रभा को तथा कल्पना ने सरोजा को चित कर जीत दर्ज की। शाम करीब चार बजे ग्राम देवता व काली पूजन ने बाद आखडे में महिलाओं ने ताल ठोकने के लिए तैयार दिखी। पूर्व प्रधान राकेश कुमार बताते है कि गांव की महिलाएं नागपंचमी के दूसरे दिन लगने वाले इस हापें मे शामिल होने के लिए आतुर रहती है। हापा देखने के लिए गांव की बहन बेटियां ससुराल से मायके आ जाती है। वह बताते है कि अहिमामऊ गांव में लगने वाला यह हापा अंग्रेजो के समय से लगता चला आ रहा है। अहिमामऊ के आखडे में युवा महिला पहलवानों ने भी अपने दांव दिखाए। शादी कर बाद मायके आकर शिखा ने आखाड़े में गीता के साथ कुश्ती लड़ी। जिस दौरान गीता ने शिखा चित कर विजेता बनी। तो वही रवीना ने अंकिता को पटकनी दी। नीलम ने एक बार फिर सत्यवती को अखाड़े में चित कर दिया

युवती के साथ दुष्कर्म का प्रयास करने वाले 02 अभियुक्तो को किया गया गिरफ्तार

लखनऊ। सुशांत गोल्फ सिटी कोतवाली क्षेत्र में एक युवती को उसकी सहेली घुमाने का झांसा देकर एक अपार्टमेंट में ले गई, जहां पर पहले से मौजूद युवक ने युवती की मदद से पीड़िता के साथ दुष्कर्म की कोशिश की , किसी तरह उनके चंगुल से छुटी युवती ने परिजनों के साथ सुशांत गोल्फ सिटी कोतवाली पुलिस को नामजद तहरीर दी थी, पुलिस मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश कर रही थी, जिन्हें बुधवार को गिरफ्तार कर विधिक कार्रवाई करते हुए जेल भेज दिया गया है।

पुलिस के मुताबिक बीते मंगलवार को पीड़िता की लिखित तहरीर के आधार पर पीड़िता की मित्र मानवी द्वारा पीड़िता को बहला फुसलाकर घुमाने के बहाने रिसिता अपार्टमेन्ट में ले गयी थी। वहाँ पर पहले से मौजूद अमरद्वीप ने मानवी की मदद से दुष्कर्म करने की कोशिश की गई थी।

बीबीएयू में 'जलवायु परिवर्तन' पर व्याख्यान, 'जल पुरुष' डॉ. राजेन्द्र सिंह ने दिया प्रकृति संरक्षण का संदेश

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय (बीबीएयू), लखनऊ में 'कमेटी फॉर एमीनेंट लेक्चर सीरीज' के तहत 'जलवायु परिवर्तन' विषय पर व्याख्यानमाला के चतुर्थ सत्र का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के श्री अटल बिहारी वाजपेयी प्रेक्षागृह में आयोजित इस कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. राजकुमार मित्तल ने की, जबकि मुख्य वक्ता के रूप में प्रसिद्ध जल संरक्षण कार्यकर्ता एवं पर्यावरणविद् डॉ. राजेन्द्र सिंह मौजूद रहे, जिन्हें देश में 'जल पुरुष' के नाम से जाना जाता है।कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और बाबासाहेब अम्बेडकर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर हुई। इसके उपरांत विश्वविद्यालय की ओर से अतिथियों का स्वागत पौधा भेंट कर किया गया। इस अवसर पर कमेटी की अध्यक्ष प्रो. शिल्पी वर्मा ने कार्यक्रम का उद्देश्य स्पष्ट करते हुए जलवायु परिवर्तन जैसे ज्वलंत मुद्दे पर विमर्श को आवश्यक बताया। संचालन डॉ. शिखा तिवारी ने किया।अपने उद्घाटन भाषण में कुलपति प्रो. मित्तल ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भारतीय ज्ञान परंपरा के समावेश को समय की माँग बताया। उन्होंने कहा कि भारत की पारंपरिक जीवनशैली में आत्मनिर्भरता, प्रकृति के साथ समरसता और संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग की प्रवृत्ति रही है, जबकि वर्तमान में भौतिक उपभोग को ही विकास का मानक मान लिया गया है। यह सोच पर्यावरणीय संकटों का मूल कारण है। उन्होंने जल संकट की गंभीरता की ओर संकेत करते हुए तकनीक, विज्ञान और आचरण को जोड़ने की आवश्यकता जताई।

वृंदावन सेक्टर-8 में सफाई में लापरवाही पर लायन एनवायर पर ₹1 लाख का जुर्माना, नगर निगम का सख्त रुख

लखनऊ। लखनऊ नगर निगम द्वारा चलाए जा रहे स्वच्छता निरीक्षण अभियान के तहत बुधवार को जोन-8 स्थित वृंदावन सेक्टर-8 में सफाई व्यवस्था की हकीकत उजागर हुई। नगर आयुक्त गौरव कुमार के निर्देश पर और अपर नगर आयुक्त डॉ. अरविंद कुमार राव के पर्यवेक्षण में हुए इस औचक निरीक्षण का नेतृत्व जोनल अधिकारी अजीत कुमार राय ने किया।निरीक्षण में यह स्पष्ट रूप से सामने आया कि क्षेत्र में तैनात सफाई कर्मचारी नियमित रूप से कार्य नहीं कर रहे हैं। न तो सफाई पूरी तरह से की जा रही थी, न ही कर्मचारियों ने निर्धारित वर्दी पहन रखी थी। साथ ही क्षेत्र में सफेद और नीले रंग के डस्टबिनों की अनुपलब्धता के चलते कूड़ा सड़कों पर फैला हुआ मिला, जिससे स्थानीय नागरिकों को भारी असुविधा हो रही थी।

मृत हिस्ट्रीशीटर का खाका नष्ट कर लखनऊ पुलिस ने की अभिलेखों की शुद्धि, अपराध नियंत्रण की दिशा में बड़ा कदम

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक के निर्देश पर चलाए जा रहे स्मृत हिस्ट्रीशीटर का खाका नष्ट करने के विशेष अभियानस्र के अंतर्गत लखनऊ पुलिस ने पुलिस अभिलेखों की शुद्धता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने की दिशा में एक ठोस कार्रवाई की है। यह प्रयास अपराध और अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण के साथ-साथ पुलिस तंत्र को अधिक दक्ष और जवाबदेह बनाने की दिशा में उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम है।पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ के जोन-पश्चिमी क्षेत्र स्थित सआदतगंज थाना क्षेत्र में इस अभियान के तहत एक मृत घोषित हिस्ट्रीशीटर का आपराधिक खाका विधिसम्मत प्रक्रिया के तहत नष्ट किया गया। यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त अमरेन्द्र कुमार सेंगर के नेतृत्व, पुलिस उपायुक्त पश्चिमी विश्वजीत श्रीवास्तव, अपर पुलिस

उपायुक्त धनंजय कुशवाहा के पर्यवेक्षण और सहायक पुलिस आयुक्त बाजारखाला वीरेन्द्र विक्रम सिंह के निर्देशन में सम्पन्न हुई।मृत घोषित किए गए हिस्ट्रीशीटर की पहचान एच.एस. 97ए शिवम उर्फ अमन मिश्रा पुत्र स्वर्गीय राजू उर्फ राजेश, निवासी 358/43 बिहारीपुर, थाना सआदतगंज के रूप में हुई है। उक्त व्यक्ति के आपराधिक रिकॉर्ड को नष्ट कर दिया गया है, जिससे पुलिस अभिलेखों में केवल जीवित और सक्रिय अपराधियों की जानकारी बनी रहे।इस अभियान का उद्देश्य न केवल संसाधनों का बेहतर प्रबंधन सुनिश्चित करना है, बल्कि यह भी सुनिश्चित करना है कि पुलिस की निगरानी प्रणाली केवल वास्तविक और वर्तमान अपराधियों पर केंद्रित रहे। इससे न केवल जांच एवं खुफिया कार्य प्रणाली अधिक प्रभावी होगी, बल्कि पुलिस के डेटाबेस की सटीकता और पारदर्शिता भी बढ़ेगी।लखनऊ पुलिस का यह कदम कानून व्यवस्था की मजबूती और न्यायिक प्रक्रियाओं की पारदर्शिता को बढ़ाने वाला माना जा रहा है। इस अभियान से एक ओर जहां फर्जीवाड़े और भ्रम की स्थिति को रोका जा सकेगा, वहीं दूसरी ओर पुलिस कर्मियों का ध्यान उन अपराधियों की ओर केंद्रित हो सकेगा जो वर्तमान में समाज के लिए खतरा हैं।प्रदेश भर में चलाए जा रहे इस विशेष अभियान के तहत अन्य जनपदों में भी मृत हिस्ट्रीशीटरों के खाके नष्ट किए जा रहे हैं, जिससे पुलिस अभिलेखों की विश्वसनीयता में सुधार लाया जा सके। यह पहल आने वाले समय में अपराध पर नियंत्रण की रणनीतियों को और अधिक सटीक और प्रभावी बनाने में सहायक सिद्ध होगी।

शहीद कैप्टन मुकेश श्रीवास्तव पार्क की बदहाली को लेकर समाजवादी पार्टी के पार्षदों ने नगर आयुक्त को सौंपा ज्ञापन

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के निर्देश पर आज लखनऊ नगर निगम में उपनेता पार्षद दल देवेंद्र सिंह यादव (जीतू) के नेतृत्व में पार्टी पार्षदों के एक प्रतिनिधिमंडल ने जोन-7 स्थित बाबू जगजीवन राम वार्ड में शहीद कैप्टन मुकेश श्रीवास्तव पार्क की बदहाल स्थिति को लेकर नगर आयुक्त को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि शहीद कैप्टन मुकेश श्रीवास्तव की प्रतिमा का अनावरण 16 अक्टूबर 2003 को तत्कालीन रक्षा मंत्री नेताजी मुलायम सिंह यादव द्वारा किया गया था। लेकिन वर्तमान में इस स्मारक स्थल की उपेक्षा की जा रही है, जो राजनैतिक द्वेष का परिचायक है। प्रतिनिधिमंडल ने यह भी बताया कि इस विषय में पूर्व नगर आयुक्त को 26 जुलाई 2024 को ज्ञापन दिया गया था।

रहीमाबाद में हत्या के मुख्य आरोपी पंकज दीक्षित को लखनऊ पुलिस ने किया गिरफ्तार, हाईवे पर घेराबंदी कर पकड़ा गया वांछित अपराधी

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ के जोन-उत्तरी अंतर्गत रहीमाबाद थाना पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। हत्या के एक गंभीर मामले में वांछित चल रहे मुख्य आरोपी पंकज दीक्षित को पुलिस ने बुधवार को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी लखनऊ-हरदोई हाईवे के निकट जालामऊ मोड़ के पास की गई, जहां आरोपी को पुलिस ने मुखबिर की सटीक सूचना पर घेराबंदी कर दबोच लिया।यह कार्रवाई संयुक्त पुलिस आयुक्त (अपराध एवं मुख्यालय) के नेतृत्व में चलाए जा रहे अभियान के तहत की गई, जिसका उद्देश्य वांछित अभियुक्तों, एनबीडब्ल्यू, सक्रिय अपराधियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित करना है। पुलिस उपायुक्त (उत्तरी) के निर्देशन और अपर पुलिस उपायुक्त के मार्गदर्शन में तथा सहायक पुलिस आयुक्त मलिहाबाद के पर्यवेक्षण में रहीमाबाद थाना प्रभारी आनंद कुमार द्विवेदी के नेतृत्व में यह पूरी कार्रवाई अंजाम दी गई।गिरफ्तार किए गए आरोपी ने अपनी पहचान पंकज दीक्षित पुत्र स्वर्गीय वीरेंद्र दीक्षित, निवासी ग्राम बख्तौरीपुर, मजरा ससपन, थाना रहीमाबाद, जनपद लखनऊ (उम्र करीब 39 वर्ष) के रूप में दी। उसके विरुद्ध थाना रहीमाबाद में मु0अ0सं0 123/2025, धारा 103(1) भारतीय न्याय संहिता के तहत हत्या का गंभीर अभियोग दर्ज है। गिरफ्तारी के दौरान पुलिस ने सर्वोच्च न्यायालय व मानवाधिकार आयोग के सभी दिशा-निर्देशों का पूर्णतः पालन किया और गिरफ्तारी की सूचना उसके परिजनों को भी दी गई।पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, पंकज दीक्षित पहले से भी कई आपराधिक मामलों में लिप्त रहा है। वर्ष 2023 में उसके खिलाफ थाना रहीमाबाद में मारपीट और धमकी देने के आरोप में मु0अ0सं0 81/2023, धारा 323/504/506 भादवि दर्ज किया गया था। इसके बाद वर्ष 2024 में दो और मामलों में वह नामजद रहा—एक बार फिर इन्हीं धाराओं में और एक अन्य गंभीर मामले में जिसमें उस पर मारपीट, सरकारी कर्मचारी पर हमला, और घातक हथियार से चोट पहुंचाने के तहत केस दर्ज हुआ।गिरफ्तारी के बाद पंकज दीक्षित को विधिक प्रक्रिया के तहत न्यायालय में प्रस्तुत कर रिमांड पर भेजा गया है। रहीमाबाद थाना की इस कार्रवाई में प्रभारी निरीक्षक आनंद कुमार द्विवेदी के साथ उपनिरीक्षक उमेश यादव, उपेन्द्र यादव, निरीक्षक संदीप कुमार, महिला उपनिरीक्षक संध्या पटेल और आरक्षी अरुण कुमार शामिल रहे।रहीमाबाद पुलिस की इस तत्परता और सक्रियता से न सिर्फ एक हत्या के आरोपी की गिरफ्तारी संभव हो सकी, बल्कि इलाके में कानून-व्यवस्था को लेकर आम जनता में भरोसा भी और अधिक मजबूत हुआ है।

वजीरगंज पुलिस और क्राइम ब्रांच की संयुक्त कार्रवाई में दोपहिया वाहन चोर गिरोह का पर्दाफाश, 14 मोटरसाइकिल बरामद

लखनऊ। पुलिस ने वाहन चोरी के एक बड़े गिरोह का भंडाफोड़ किया है। वजीरगंज थाना और क्राइम ब्रांच की संयुक्त कार्रवाई में पांच शातिर वाहन चोरों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों के कब्जे से 14 चोरी की गई मोटरसाइकिलें और स्कूटियां बरामद की गईं।शिकायतकर्ता आलोक ने 26 जुलाई को अपनी हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल चोरी होने की तहरीर दी थी। इसके बाद पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर लगातार छापेमारी कर इस गिरोह का पता लगाया और 29 जुलाई को पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया। ये आरोपित लंबे समय से चोरी की घटनाओं में संलिप्त थे और उनके खिलाफ विभिन्न थानों में कई मुकदमे दर्ज हैं।गिरफ्तार अभियुक्तों में जौनपुर, लखनऊ, गोरखपुर और हरदोई के निवासी शामिल हैं।

मैक्स हॉस्पिटल, लखनऊ में दुर्लभ ओपन-हार्ट सर्जरी से 46 वर्षीय महिला की जान बचाई गई

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, लखनऊ के डॉक्टरों ने एक अत्यंत जटिल और दुर्लभ ओपन-हार्ट सर्जरी कर फतेहपुर की 46 वर्षीय नज़मा बानो की जान बचाई है। उन्हें 30 मई की सुबह गंभीर हालत में अस्पताल लाया गया था। न केवल उनके दिल में लगी डिवाइस अपनी जगह से खिसक चुकी थी, बल्कि इससे दिल की एक नस भी फट गई थी, और उनकी हालत इतनी नाज़ुक थी कि ब्लड प्रेशर तक मापने योग्य नहीं रह गया था।नज़मा बानो को जन्म से ही 'एट्रियल सेप्टल डिफेक्ट' नामक जन्मजात हृदय रोग था, जिसमें दिल के ऊपरी दो चैम्बरों के बीच छेद होता है। 29 मई को प्रयागराज में उनका डिवाइस क्लोजर प्रोसिजर किया गया था, लेकिन डिवाइस खिसककर दिल की एक वॉल्व के पास जा फंसी। डिवाइस निकालने के दौरान दिल की एक नस

(लेफ्ट एट्रियल एपेंडेज) फट गई और दिल के चारों ओर खून जमा होने लगा। स्थिति लगातार बिगड़ रही थी और स्थानीय अस्पताल में सर्जरी की सुविधा नहीं थी, ऐसे में तुरंत मैक्स हॉस्पिटल, लखनऊ के कार्डियोथोरेसिक एंड वैस्कुलर सर्जरी विभाग के एसोसिएट डायरेक्टर डॉ. विशाल श्रीवास्तव से संपर्क किया गया।डॉ. श्रीवास्तव ने तुरंत मरीज को स्थिर करने के लिए टेम्पररी ड्रेनेज और ऑटोट्रांसफ्यूजन (खुद के खून को वापस चढ़ाने) की सलाह दी, जिससे नज़मा को सुरक्षित लखनऊ लाया जा सका। उन्होंने बताया कि जब नज़मा को तड़के करीब 3:30 बजे अस्पताल की इमरजेंसी में लाया गया, तब वह होश में थीं लेकिन गहरे शॉक में थीं और कुछ ही मिनटों में कार्डियक अरेस्ट आ गया। तुरंत CPR शुरू किया गया, लेकिन शुरुआत में कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। सौभाग्य से इमरजेंसी और सर्जरी टीम पहले से सतर्क थी। मरीज को तत्काल ऑपरेशन थिएटर ले जाया गया, जहां CPR के साथ-साथ छाती खोलकर सीधे कार्डियक मसाज किया गया और ज़रूरी लाइफ सपोर्ट उपाय शुरू किए गए।हालात की गंभीरता को देखते हुए डॉ. श्रीवास्तव और उनकी टीम ने तत्काल ओपन-हार्ट सर्जरी का निर्णय लिया। इस ऑपरेशन में पहले खिसकी हुई डिवाइस को हटाया गया, फिर फटी हुई नस की मरम्मत की गई और दिल में मौजूद मूल छेद को बंद किया गया। चार घंटे तक चली इस जटिल सर्जरी के बाद नज़मा को आईसीयू में शिफ्ट कर निगरानी में रखा गया। डॉक्टरों की लगातार देखरेख में उनकी हालत में तेजी से सुधार हुआ और एक सप्ताह के भीतर उन्हें पूरी तरह स्वस्थ अवस्था में अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। आज नज़मा बानो सामान्य जीवन जी रही हैं। यह केस सिर्फ एक कठिन सर्जरी की सफलता नहीं है।

दो दिन की यात्रा में ही मोदी ने तमिलनाडु की राजनीति के सारे पत्ते फेंट दिये

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हाल की दो दिवसीय तमिलनाडु यात्रा ने न केवल भाजपा कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाया है, बल्कि अन्नाद्रमुक (AIADMK) कार्यकर्ताओं के लिए भी यह एक बड़ा उत्साहवर्धन साबित हुई। आगामी 2026 तमिलनाडु विधानसभा चुनाव से पहले इस यात्रा को भाजपा-एआईएडीएमके गठबंधन को मजबूत करने की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है। हम आपको बता दें कि मोदी ने हवाई अड्डे पर अन्नाद्रमुक प्रमुख ई.के. पलानीस्वामी (EPS) और पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेताओं जैसे के.पी. मुनुसामी, एस.पी. वेलुमणि और थालावई सुंदरम से मुलाकात की। यह मुलाकात इस बात का संकेत मानी जा रही है कि भाजपा, एआईएडीएमके को गठबंधन में अहमियत दे रही है। प्रधानमंत्री ने ओ. पन्नीरसेल्वम (OPS) से दूरी बनाकर यह संदेश भी दिया कि गठबंधन में वही पार्टियां रहेंगी जिन पर भाजपा को भरोसा है। भाजपा नेताओं के अनुसार, इस यात्रा ने जमीनी स्तर पर विश्वास और सामंजस्य बढ़ाया है, जिससे एआईएडीएमके कार्यकर्ताओं के मन में पहले जो आशंका थी कि EPS को भाजपा दबाव में रखती है, वह अब कम हो गई है। एआईएडीएमके कार्यकर्ताओं ने मोदी के त्रिची रोड शो में बड़ी संख्या में भाग लेकर गठबंधन के प्रति अपनी निष्ठा प्रदर्शित की। भाजपा नेताओं का कहना है कि वह भी आने वाले समय में इसका पूरा प्रत्युत्तर देंगे।

हम आपको यह भी बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तमिलनाडु यात्रा के दौरान भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष के. अन्नामलाई से भी मुलाकात की। यह मुलाकात कई स्तरों पर महत्वपूर्ण मानी जा रही है क्योंकि पिछले कुछ महीनों से तमिलनाडु भाजपा में आंतरिक गुटबाजी और मतभेदों की खबरें लगातार सामने आती रही हैं। अन्नामलाई के साथ प्रधानमंत्री की सार्वजनिक नजदीकी ने उनके विरोधी खेमों को संकेत दिया है कि केंद्रीय नेतृत्व को उन पर पूरा भरोसा है। साथ ही मोदी ने अपनी यात्रा के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री और एनडीए नेता OPS से कोई मुलाकात नहीं की। यह संकेत स्पष्ट है कि भाजपा और एआईएडीएमके गठबंधन में OPS की भूमिका कम होती जा रही है। एआईएडीएमके ने पहले ही OPS को पार्टी से बाहर कर दिया है और भाजपा भी यह संदेश दे रही है कि वह EPS (ई.के. पलानीस्वामी) के नेतृत्व को ही गठबंधन का प्रमुख चेहरा मानती है। माना जा रहा है कि OPS जल्द ही खुद एनडीए छोड़ देंगे।

इसके अलावा, प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा का सबसे बड़ा आकर्षण था उनका गंगईकोंडा चोलापुरम मंदिर में जाना। यह मंदिर चोल वंश की गौरवगाथा का प्रतीक है और यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल है। मोदी ने पारंपरिक तमिल परिधान वेष्टी और अंगवस्त्रम पहनकर मंदिर में पूजा-अर्चना की और आदि तिरुवातिरै उत्सव में भाग लिया। यह यात्रा राजेंद्र चोल प्रथम की जयंती के अवसर पर हुई, जिन्हें दक्षिण-पूर्व एशिया तक साम्राज्य का विस्तार करने वाले महान शासकों में गिना जाता है। भाजपा सांस्कृतिक रूप से तमिल गौरव को सम्मान देना चाहती है साथ ही DMK के 'कीलाड़ी' विमर्श का जवाब देना चाहती है जिसमें भाजपा पर तमिलनाडु के इतिहास को 'मिटाने' का आरोप लगाया जाता है। साथ ही पार्टी यह दिखाना चाहती है कि भाजपा तमिल संस्कृति, भाषा और परंपराओं के सम्मान में किसी से पीछे नहीं है। मोदी की यात्रा ने यह स्पष्ट संदेश दिया है कि भाजपा और एआईएडीएमके का गठबंधन स्थायी और विश्वास पर आधारित है। इससे कार्यकर्ताओं के मन में जो असमंजस था, वह दूर हुआ है। देखा जाये तो रोड शो और मंदिर यात्रा जैसे आयोजनों ने दोनों दलों के कार्यकर्ताओं को साथ आने का मंच दिया, जिससे चुनावी मोर्चे पर तालमेल बेहतर होगा। साथ ही भाजपा तमिल सांस्कृतिक प्रतीकों के माध्यम से डीएमके के तमिल पहचान के विमर्श को चुनौती दे रही है।

हम आपको यह भी बता दें कि तमिलनाडु लंबे समय से द्रविड़ राजनीति और पेरियारवादी विचारधारा का गढ़ रहा है, जहां हिंदुत्व आधारित राजनीति को अपेक्षाकृत कम सफलता मिली है। इसलिए भाजपा के सामने कुछ चुनौतियाँ हैं। जैसे- तमिलनाडु में धर्मनिरपेक्ष और सामाजिक न्याय पर आधारित राजनीति की मजबूत परंपरा है। साथ ही यहां मतदाता हिंदुत्व से ज्यादा आर्थिक विकास, क्षेत्रीय गौरव और सामाजिक कल्याण योजनाओं को महत्व देते हैं। हालांकि भाजपा ने अपने हिंदुत्व कार्ड को सांस्कृतिक तमिल गौरव के साथ जोड़ने की कोशिश की है। गंगईकोंडा चोलापुरम जैसे ऐतिहासिक स्थलों पर प्रधानमंत्री की मौजूदगी इसी रणनीति का हिस्सा है। यदि भाजपा इस विमर्श को स्थानीय पहचान के सम्मान के साथ संतुलित कर पाती है, तो वह धीरे-धीरे तमिलनाडु में अपनी स्वीकार्यता बढ़ा सकती है। बहरहाल, प्रधानमंत्री मोदी की तमिलनाडु यात्रा न केवल सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण रही बल्कि भाजपा-एआईएडीएमके गठबंधन को एक नया राजनीतिक आयाम भी दे गई। 2026 विधानसभा चुनाव में यह गठबंधन डीएमके के लिए गंभीर चुनौती पेश कर सकता है।

मतदाता सूची मामले में देश को गुमराह कर रहा विपक्ष

बिहार ही नहीं देशभर में फर्जी और अयोग्य मतदाताओं को हटाने के मांग राजनीतिक दल समय समय पर उठाते रहे हैं। बिहार के सीमांचल के इलाके में बांग्लादेशी घुसपैठियों का मामला वर्षों से सामने आ रहा है। पिछले 30 वर्षों में पूरे सीमांचल का समीकरण बदल गया है।

डॉ. आशीष वशिष्ठ

बिहार में चुनाव आयोग द्वारा चलाया गया विशेष मतदाता गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर पूरा हो चुका है। बिहार विधानसभा से लेकर संसद तक एसआईआर का विरोध जारी है। हालांकि विपक्ष के तीखे विरोध के बीच चुनाव आयोग ने यह स्पष्ट कर दिया है कि एसआईआर बिहार तक ही सीमित नहीं रहेगा। अगले साल पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल और असम राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं। सिर्फ असम में भाजपा सरकार है। शेष राज्यों में विपक्षी दलों की सरकारें हैं। वे अभी से चौकन्नी हो गई हैं और एसआईआर को एक राष्ट्रीय मुद्दा बना देना चाहती हैं।

वास्तव में विपक्ष रणनीति के तहत एसआईआर पर देशवासियों को गुमराह कर रहा है। सड़क से संसद तक वो एसआईआर का विरोध कर रहा है, और चुनाव आयोग पर अमर्यादित बयानबाजी से लेकर आरोप तक लगा रहा है। जबकि तस्वीर का दूसरा पक्ष यह है कि बिहार में एसआईआर का विरोध कर रही पार्टियों ने भी अपने बूथ लेवल एजेंट यानी बीएलए को बढ़-चढ़कर काम में लगाया था। चुनाव आयोग के आंकड़ों के मुताबिक 23 जून को एसआईआर प्रक्रिया शुरू होने के पहले कांग्रेस ने केवल 8586 बीएलए लगाए थे। लेकिन 25 जुलाई को प्रक्रिया समापन के वक्त कांग्रेस के 17549 बीएलए नियुक्त रहे। कांग्रेस ने एसआईआर प्रक्रिया का विरोध करने के बावजूद इसके लिए 105 फीसदी बीएलए बढ़ाए।

भाजपा के 53338 बीएलए प्रकिया का हिस्सा बने। राष्ट्रीय जनता दल के 47506 बीएलए प्रक्रिया में शामिल हुए। जनता दल यूनाइटेड के 36550 बीएलए शामिल हुए। लेफ्ट पार्टियों ने एसआईआर प्रक्रिया की शुरुआत में दिलचस्पी नहीं दिखाई लेकिन आखिर तक इन पार्टियों ने भी बीएलए की संख्या बढ़ाई। बिहार में 12 मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के कुल 1 लाख 60 हजार 813 बीएलए गहन मतदाता पुनरीक्षण प्रक्रिया का हिस्सा बने। किसी तरह की अनियमितता होने पर विपक्षी दलों के कार्यकर्ता तुरंत अपना विरोध कर सकते हैं, लेकिन अब तक एक भी ऐसा मामला सामने नहीं आया है जहां विपक्षी दलों के कार्यकर्ताओं ने इसकी शिकायत की हो। केवल विपक्ष के नेता ही इस तरह की बात कर सनसनी पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। विपक्ष का असली चेहरा और चरित्र यही है। वो एक और देशवासियों को गुमराह करने और संवैधानिक संस्थाओं की साख को धूमिल करने का कुकृत्य करता है, तो वहीं दूसरी और कानून प्रक्रियाओं में बढ़ चढ़कर हिस्सा भी लेता है।

बिहार ही नहीं देशभर में फर्जी और अयोग्य मतदाताओं को हटाने के मांग राजनीतिक दल समय समय पर उठाते रहे हैं। बिहार के सीमांचल के इलाके में बांग्लादेशी घुसपैठियों का मामला वर्षों से सामने आ रहा है। पिछले 30 वर्षों में पूरे सीमांचल का समीकरण बदल गया है। किशनगंज, अररिया, कटिहार और पूर्णिया में अल्पसंख्यकों की आबादी 40 फीसदी से 70 फीसदी तक हो चुकी है। यही कारण है कि वर्षों से इस इलाके में बांग्लादेशी घुसपैठियों की रोक की मांग उठती रही है। कई इलाकों से हिंदुओं के पलायन की भी खबर उठी थी। केंद्र सरकार ने जब पूरे देश में एनआरसी लागू करने की बात कही थी तो बिहार में इस इलाके से भी विरोध के सुर उठे थे।

चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार, बिहार के 99.8 फीसदी यानी 7.23 करोड़ मतदाता इस रिवीजन प्रक्रिया में कवर हो चुके हैं। दावा किया जा रहा है कि पुनरीक्षण में बिहार में कम से कम 61 लाख मतदाताओं के नाम कट सकते हैं। इसमें 21.6 लाख मतदाताओं का निधन हो चुका है। 31.5 लाख मतदाता स्थाई तौर पर दूसरे स्थानों-शहरों में बस गए हैं। हैं। लगभग सात लाख मतदाताओं के नाम दो स्थानों की मतदाता सूची में दर्ज हैं। बिहार में विधानसभा की 243 सीटें हैं। विधानसभाओं में कुछ सौ मतदाताओं का अंतर ही जीत-हार पर असर डाल देता है। साल 2020 के विधानसभा चुनावों में करीब बीस प्रतिशत सीटों पर जीत और हार का अंतर महज ढाई फीसद तक ही था। इनमें से 17 सीटों पर जीत तो एक प्रतिशत के कम वोट से ही हुई थी। अगर गहन पुनरीक्षण में इन मतदातओं के नाम नहीं काटे गए तो उनके नाम पर चुनावी नतीजों को बदला जा सकता है।

राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव चुनाव बहिष्कार की धमकी दे रहे हैं। हालांकि देश की राजनीति के लिए यह कोई पहली बार नहीं है जब किसी राजनीतिक दल ने चुनाव बहिष्कार की धमकी दी हो। इससे पहले भी जम्मू-कश्मीर और पूर्वोत्तर के राज्यों में अनेक बार कुछ राजनीतिक दलों और अतिवादी संगठनों ने चुनाव के बहिष्कार की धमकी दी। आपातकाल के बाद भी प्रमुख विपक्षी दलों ने चुनाव के बहिष्कार करने की बात की थी। हालांकि इसके बावजूद वहां चुनाव हुए और उन सभी लोगों ने चुनाव में हिस्सा भी लिया और जीत हासिल की। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी बिहार में मतदाता सूची के एसआईआर का मुद्दा अपनी स्टाइल में उठा रहे हैं। वो केंद्र की बीजेपी सरकार पर 'वोटों की चोरी' का आरोप लगा रहे हैं। वोटिंग में गड़बड़ी का इल्जाम तो राहुल गांधी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के बाद से ही लगाने लगे थे, लेकिन अब ज्यादा जोरदार तरीके से उसे उठा रहे हैं। राहुल गांधी महाराष्ट्र और कर्नाटक में वोटिंग में गड़बड़ी के आरोप लगा रहे हैं, लेकिन बाकी चुनावों के मामले चुप्पी साध लेते हैं। राहुल गांधी पिछले कई दिनों से चुनाव आयोग पर तल्ख, अमर्यादित और अनर्गल टिप्पणियां कर रहे हैं। आयोग पर भाजपा से मिलीभगत का आरोप लगा रहे हैं। असल में राहुल गांधी चुनाव आयोग और चुनाव मशीनरी को दबाव में लेना चाहते हैं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी खुले मंच से यह घोषणा कर चुकी हैं कि वे बंगाल में एसआईआर नहीं होने देंगी। विपक्ष के कई दूसरे नेता भी एसआईआर का विरोध कर रहे हैं। ये वही लोग हैं जो लोकसभा चुनाव के दौरान मोहब्बत की दुकान, संविधान की रक्षा और संविधान की कॉपियां लेकर देशभर में घूमते थे। और भाजपा पर संविधान विरोधी होने और संविधान बदलने का आरोप लगाते थे। यही इनका मूल चरित्र है। 2024 के लोकसभा चुनाव में विपक्ष ने भाजपा के सत्ता में आने के बाद 'संविधान बदलने का खतरा' होने का मुद्दा उठाया था। इससे कांग्रेस को अच्छी सफलता मिली थी। उसी तरह विपक्ष लोगों के बीच वोट खोने का डर और चुनाव में गड़बड़ी का मुद्दा उठाकर बढ़त हासिल करना चाहता है। इससे वह सत्ता पक्ष पर दबाव बनाने के साथ-साथ जनता के बीच अपनी पकड़ भी मजबूत करना चाहता है। यदि जनता के एक प्रतिशत लोगों के मन में भी अपना 'वोट खोने का डर' पैदा हो जाता है तो इससे पूरा चुनावी गणित बदल सकता है। कांग्रेस-राष्ट्रीय जनता दल पूरी तैयारी के साथ इसी 'रणनीति' पर काम करते हुए दिखाई दे रहे हैं। चुनाव आयोग ने केवल दूसरी जगह चले गए मतदाताओं, मृतकों और एक ही व्यक्ति के दो स्थानों पर मतदाता सूची में शामिल होने वाले मतदाताओं का नाम ही मतदाता सूची से हटाने की बात कही है, ऐसे में एसआईआर का विरोध पूरी तरह से अतार्किक है। चुनाव आयोग नियम कानून के तहत वोटर लिस्ट अपडेट कर रहा है। यह उसकी डयूटी का हिस्सा है। स्वस्थ लोकतंत्र के लिए स्वच्छ और स्पष्ट मतदाता सूची जरूरी है। वास्तव में, मतदाता सूची पर विपक्ष का हंगामा केवल राजनीतिक स्टंट कर जनता का ध्यान अपनी ओर खींचने की कोशिश है। विपक्ष चुनावों में अपनी हार को देखकर अभी से बहाने की तलाश कर रहे हैं।

अजब-गजब

पति-पत्नी ने दिया तलाक, फिर एक ही लड़की से कर बैठे प्यार, तीनों में है रोमांटिक रिलेशन

प्यार अंधा होता है...ये तो सुना था, पर इतना 'मॉडर्न' भी हो सकता है इसके बारे में शायद ही किसी ने सोचा होगा। अमेरिका से एक ऐसी अजब-गजब लव स्टोरी सामने आई है, जिसने इंटरनेट की 'दुनिया' में खलबली मचा दी है। यहां एक तलाकशुदा पति-पत्नी न सिर्फ एक ही लड़की से इश्क कर बैठे, बल्कि अब तीनों थ्रपल रिलेशनशिप में हैं, और एक ही छत के नीचे साथ रह रहे हैं।

अमेरिका के रहने वाले जोशुआ एल्कॉन और उनकी एक्स वाइफ जेसिका ने कुछ समय पहले ही तलाक लिया था। उनके चार बच्चे भी हैं। लेकिन तकदीर का खेल देखिए, अलग होने के बाद एक डेटिंग ऐप पर दोनों की मुलाकात एबी नाम की एक खूबसूरत लड़की से हुई। जोशुआ को एबी से प्यार हो गया, और एबी भी उन्हें पसंद करने लगी। लेकिन कहानी में ट्विस्ट तब आया, जब जेसिका भी एबी को अपना दिल दे बैठीं। और तो और एबी को भी जेसिका के साथ रहने में कोई ऐतराज नहीं था।

mirror.co.uk के अनुसार, अब पूर्व पति-पूर्व पत्नी और उनकी 'कॉमन गर्लफ्रेंड' एबी तीनों ना सिर्फ रोमांटिक रिलेशनशिप में हैं, बल्कि एक ही छत के नीचे रह भी रहे हैं। जेसिका फिर से प्रेग्नेंट हैं, और पांचवें बच्चे की उम्मीद कर रही हैं। उन्होंने कहा, आने वाले बच्चे को एबी का मिडल नेम दिया जाएगा।

जेसिका ने यूट्यूब चैनल 'My Extraordinary Life Truly' पर अपने थ्रपल रिलेशनशिप का खुलासा करते हुए कहा, मॉम और डैड की एक गर्लफ्रेंड। हालांकि, इस थ्रपल रिलेशनशिप को लेकर इंटरनेट पर बहस छिड़ गई है। लोग इसे अजीब, अनैतिक और बच्चों के लिए भ्रामक बता रहे हैं। लेकिन जोशुआ, जेसिका और एबी का कहना है कि जितनी मुंह उतनी बातें। इसलिए वे बेफिक्र होकर अपनी जिंदगी जी रहे हैं। बता दें कि ओपन रिलेशनशिप का आइडिया जेसिका का ही था, और वह खुद को थ्रपल की लीडर बताती हैं। वहीं, जोशुआ का कहना है कि जब जेसिका ने उनके सामने यह प्रपोजल रखा, तो उन्हें लगा कि यह तो हर मर्द का सपना होता है। टिंडर पर एबी को देखते ही जोशुआ उन्हें दिल दे बैठे थे। इंटरनेट यूजर्स भले ही इस रिश्ते को बच्चों के लिए भ्रामक करार दे रहे हैं, लेकिन जोशुआ का कहन है कि अभी तक ऐसी कोई परेशानी नहीं आई है। बल्कि बच्चे एबी को सौतेली मां की तरह नहीं, बल्कि उन्हें एक अच्छा दोस्त मानते हैं। यही नहीं, एबी भी उन्हें खूब प्यार करती हैं।

ब्लॉग

मनसा का मातम: अफवाह बनी त्रासदी की वजह

ललित गर्ग

हरिद्वार के प्रसिद्ध मनसा देवी मंदिर में बिजली का तार टूटने और करंट फैलने की एक अफवाह ने कई जानें ले लीं, जिसने धार्मिक स्थलों पर भीड़ प्रबंधन की गंभीर खामियों को उजागर कर दिया है। किसी धार्मिक स्थल पर भगदड़ की यह पहली घटना नहीं, लेकिन अफसोस है कि पुरानी गलतियों से सबक नहीं लिया जा रहा। ऐसी त्रासद, विडम्बनापूर्ण एवं दुखद घटनाओं के लिये मन्दिर प्रशासन और सरकारी प्रशासन जिम्मेदार है, रविवार की सुबह एक बार फिर श्रद्धालुओं के लिये मौत का मातम बनी, चीख, पुकार और दर्द का मंजर बना। लगभग साढ़े आठ से नौ बजे के बीच हजारों श्रद्धालु संकीर्ण सीढ़ीदार मार्ग से मंदिर की ओर बढ़ रहे थे। जैसे ही अचानक करंट लगने की अफवाह ने अफरा-तफरी का माहौल बनाया, श्रद्धालु घबराहट में एक-दूसरे पर गिरने लगे और कुछ ही पलों में आठ लोगों की मौत हो गई जबकि करीब तीस श्रद्धालु घायल हो गए, जिनमें कई की हालत गंभीर थी। भगदड़ में लोगों की जो दुखद मृत्यु हुई, उसका दर्द समूचा देश महसूस कर रहा है। प्रश्न है कि पुलिस का बंदोबस्त कहां था? श्रद्धालुओं की मौत एक ऐसा दर्दनाक एवं खौफनाक वाकया है जो सुदीर्घ काल तक पीड़ति और परेशान करेगा। प्रशासन की लापरवाही, अत्यधिक भीड़, निकासी मार्गों की कमी और अव्यवस्थित प्रबंधन ने इस त्रासदी को जन्म दिया। यह घटना कोई अपवाद नहीं है, बल्कि हाल के वर्षों में दुनिया भर में सामने आई ऐसी घटनाओं की कड़ी का नया खौफनाक मामला है, जहां भीड़ नियंत्रण में चूक एवं प्रशासन एवं सत्ता का जनता के प्रति उदासीनता का गंभीर परिणाम एवं त्रासदी का ज्वलंत उदाहरण है। मनसा के मातम, हाहाकार एवं दर्दनाक मंजर ने राज्य की सुरक्षा व्यवस्था की पोल ही नहीं खोली बल्कि सत्ता एवं धार्मिक व्यवस्थाओं के अमानवीय चेहरे को भी बेनकाब किया है।

भारत में भीड़ से जुड़े हादसे आम लोगों के जीवन का ग्रास बनते रहे हैं। धार्मिक आयोजनों हो या खेल प्रतियोगिता, राजनीतिक रैली हो या सांस्कृतिक उत्सव लाखों लोगों को आकर्षित करते हैं, जहाँ भीड़ प्रबंधन की मामूली चूक भयावह त्रासदी में बदलते हुए देखी जाती रही है। उदाहरण के लिये, पिछले एक साल पर नजर दौड़ाएं तो इस तरह के कई दुखद हादसे हो चुके हैं। हाल ही में पुरी में भगदड़ जानलेवा साबित हुई। पिछले साल जुलाई में ही हाथरस में एक धार्मिक आयोजन में मची भगदड़ में 121 लोगों की मौत हो गई थी। इस साल जनवरी की शुरुआत में तिरुपति मंदिर में टोकन लेने के लिए हद से ज्यादा श्रद्धालु पहुंच गए और पुलिस उनको काबू नहीं कर सकी। भगदड़ मची तो 6 लोगों की जान चली गई। इसी साल, मौनी अमावस्या पर महाकुंभ में और उसके बाद नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भी हादसा हुआ। वर्ष 2013 में मध्य प्रदेश के रत्नागढ़ मंदिर में ढाँचागत कमियों से प्रेरित भगदड़ के कारण 115 लोगों की मौत हो गई थी।

भारत ही नहीं दुनिया में धार्मिक आयोजनों में भीड़ प्रबंधन हमेशा से बड़ी चुनौती बनता रहा है। वर्ष 2022 में दक्षिण कोरिया के इटावन हैलोवीन समारोह में अत्यधिक भीड़ के कारण 150 से अधिक लोगों की जान चली गई थी। इसी तरह, वर्ष 2015 में मक्का में हज के दौरान मची भगदड़ में सैकड़ों लोगों की मौत हो गई थी। आग, भूकंप, या आतंकी हमलों जैसी आपातकालीन स्थितियों में भी भीड़ प्रबंधन की पौल खुलती रही है। आखिर दुनिया के सर्वाधिक जनसंख्या वाले देश में हम भीड़ प्रबंधन को लेकर इतने उदासीन क्यों है? बड़े आयोजनों-भीड़ के आयोजनों में भीड़ बाधाओं को दूर करने के लिए, भीड़ प्रबंधन के लिए बुनियादी ढांचे में सुधार, सुरक्षाकर्मियों को पर्याप्त प्रशिक्षण प्रदान करना, जन जागरूकता बढ़ाना और आधुनिक तकनीकों का उपयोग करना अब नितान्त आवश्यक है। हर बार जांच, कठोर कार्रवाई करने, सबक सीखने की बातें की जाती हैं, लेकिन नतीजा के ढाक के तीन पात वाला है। न तो शासन-प्रशासन कोई सबक सीख रहा है और न ही आम जनता संयम एवं अनुशासन का परिचय देने की आवश्यकता समझ रही है। भगदड़ की घटनाओं का सिलसिला कायम रहने से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश की बदनामी भी होती है, क्योंकि इन घटनाओं से यही संदेश जाता है कि भारत का शासन-प्रशासन भगदड़ रोकने में पूरी तरह नाकाम है। सार्वजनिक स्थलों पर भगदड़ की घटनाएं दुनिया के अन्य देशों में भी होती है, लेकिन उतनी नहीं जितनी अपने देश में होती ही रहती हैं। क्या इस तरह की अफवाह को रोका नहीं जा सकता था? हमारा प्रशासन कोई अनुमान लगाने में इतना अक्षम क्यों है? क्या इसका कारण उसकी संवेदनहीनता है अथवा यह कि संबंधित अधिकारी यह जानते हैं कि कैसी भी घटना हो जाए, उनका कुछ नहीं बिगड़ने वाला। आखिर हम दुनिया के अन्य देशों से कोई सबक सीखने के लिए तैयार क्यों नहीं हैं? सबसे बड़ा सवाल है कि क्या धार्मिक स्थलों पर भीड़ प्रबंधन की कोई ठोस और वैज्ञानिक व्यवस्था है? मनसा देवी मंदिर की सीढ़ियां, संकरे रास्ते और अव्यवस्थित दुकानों के बीच का क्षेत्र लंबे समय से भीड़भाड़ के लिए जाना जाता है। फिर भी वहां कोई स्थायी सुरक्षा उपाय क्यों नहीं किए गए? अफवाह पर नियंत्रण के लिए कोई त्वरित सूचना तंत्र नहीं था, न ही भीड़ को दिशा देने के लिए पर्याप्त पुलिस बल या मार्गदर्शन की व्यवस्था थी। इस तरह की घटनाएं केवल अफवाह का परिणाम नहीं होतीं, बल्कि यह व्यवस्था की कमजोरियों एवं कोताही का परिणाम होती हैं। तीर्थस्थलों पर नियंत्रित प्रवेश, डिजिटल टिकटिंग, सीसीटीवी निगरानी, आपातकालीन निकासी मार्ग, और स्थानीय प्रशासन की सक्रिय मौजूदगी जैसी व्यवस्थाएं अनिवार्य होनी चाहिए। सबसे अधिक चिंता की बात यह है कि भगदड़ की घटनाएं लगभग वैसे ही कारणों से रह रहकर होती रहती हैं, जैसे पहले हो चुकी होती हैं।

मृतकों में उत्तर प्रदेश, बिहार और उत्तराखंड के लोग शामिल थे। उनमें छह वर्षीय बच्चा आरुष, किशोर और बुजुर्ग तक शामिल थे। उनके परिवारों पर अचानक दुख का पहाड़ टूट पड़ा। इस दौरान बचे हुए श्रद्धालुओं ने बताया कि भीड़ इतनी घनी थी कि सांस लेना भी मुश्किल हो रहा था। मनसा देवी मंदिर की यह घटना हमें याद दिलाती है कि भीड़ सिर्फ भक्ति का प्रतीक नहीं है, बल्कि अगर उसे सही दिशा और सुरक्षा नहीं दी जाए तो वह भयावह त्रासदी में बदल सकती है। यह समय है कि प्रशासन, मंदिर ट्रस्ट और समाज मिलकर ठोस कदम उठाएं ताकि आस्था के केंद्र जीवन के लिए खतरा न बनें। तमाम धार्मिक स्थलों पर फैली अव्यवस्था को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। फिसलन भरे रास्ते, संकरी जगह, आने-जाने का एक ही मार्ग जैसी बातें लगभग हर जगह देखने को मिल जाएंगी। ऐसे में जब किसी खास मौके पर भीड़ बढ़ती है तो स्वाभाविक ही हादसे की आशंका भी बढ़ जाती है, जैसा सावन पर मनसा देवी में हुआ। बेंगलुरु में आरसीबी के इवेंट में हुए हादसे के बाद कर्नाटक सरकार क्राउड कंट्रोल पर एक बिल लेकर आई है, जिसमें जिम्मेदारियां तय की गई हैं। ऐसे कानून की हर जगह जरूरत है। रेलवे स्टेशन, मंदिर और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर भीड़ को संभालने के लिए पर्याप्त जगह और रास्ते नहीं हैं। कुछ स्थानों पर निकास मार्ग सीमित हैं या अनुपयुक्त हैं, जो भगदड़ का खतरा बढ़ाते हैं। भीड़ प्रबंधन के लिए पर्याप्त प्रशिक्षित एवं दक्ष सुरक्षाकर्मी नहीं हैं, जिससे सुरक्षा चूक होने की संभावना बढ़ जाती है। भीड़ प्रबंधन के लिए आधुनिक तकनीकों, जैसे कि एआई आधारित निगरानी और ड्रोन कैमरे का उपयोग सीमित है। लोगों को आपातकालीन निकास मार्गों, भीड़ नियंत्रण नियमों, और सुरक्षा उपायों के बारे में पर्याप्त जानकारी नहीं है। गलत सूचना या अचानक दहशत से भीड़ अनियंत्रित हो सकती है और भगदड़ मच सकती है। भीड़ का व्यवहार कई बार अनियंत्रित हो जाता है, खासकर धार्मिक, खेल एवं सिनेमा आयोजनों में, जहां लोग भावनाओं में बहकर आगे निकलने की होड़ में लग जाते हैं। अच्छा यह होगा कि सरकारें भगदड़ की घटनाओं को लेकर प्रशासन को सच में जवाबदेह बनाना सीखें। इसके साथ ही आम लोगों को भी जापान जैसे देशों के लोगों से अनुशासन की सीख लेनी होगी।

वाह रे यूपी पुलिस! गिरफ्तारी से पहले हुई आरोपी की मौत... तो उसके बेगुनाह भाई को भेज दिया जेल

आर्यावर्त संवाददाता

मिर्जापुर। उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर जिले की पुलिस की बड़ी लापरवाही सामने आई है। यहां पुलिस की छोटी सी गलती के कारण एक निर्दोष व्यक्ति गुनहगारों की सूची में शामिल हो गया। उसे खुद को बेगुनाह साबित करने के लिए कोर्ट का सहारा लेना पड़ा। बेगुनाह भाई ने कोर्ट में अर्जी लगाकर जमानत ले ली है। पुलिस ने मृतक मोहम्मद सोहेल खां की जगह उसके भाई शोहेब अहमद को जेल भेज दिया था। 9 साल पहले आरोपी मोहम्मद सोहेल खां को कोर्ट ने वारंट जारी किया था। उसकी 8 साल पहले ही मौत हो चुकी है।

शोहेब के ऊपर एक भी मुकदमे नहीं है। शोहेब पुलिस से बार-बार दलील देता रहा कि उसका कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है। इसके बावजूद पुलिस ने उसकी एक न सुनी

और मृतक भाई की जगह उसे जेल भेज दिया। कोर्ट प्रथम अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने 30 जनवरी 2016 को अदलहाट थाना क्षेत्र के रसूलागंज के रहने वाले मोहम्मद सोहेल खां के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया था।

केस में नहीं था नाम और भेज दिया जेल

वहीं पुलस ने 26 जुलाई 2025 को गलत गैर जमानती वारंट जारी कर मोहम्मद सोहेल खां की जगह उसके भाई शोहेब अहमद को रिमांड पर लेकर जेल भेज दिया। बेगुनाह शोहेब ने कोर्ट में अर्जी लगाकर बताया कि जिस वारंट में मुझे जेल भेजा गया, उस मुकदमे में मेरा नाम नहीं है। यही नहीं जिसके नाम से गैर जमानती वारंट जारी किया गया है वह मेरा भाई मोहम्मद सोहेल खां था।

चौकी प्रभारी को नोटिस जारी

शोहेब ने बताया कि उसकी 30 मार्च 2017 को मौत हो चुकी है। मृतक भाई का यूपी सरकार और अस्पताल से मृत प्रमाण पत्र भी मेरे पास है। इसके बाद जाकर प्रथम अपर मुख्य न्यायाधीश मजिस्ट्रेट मिर्जापुर पल्लवी सिंह ने उसको 28 जुलाई 2025 को रिहा किए जाने का आदेश दिया। साथ ही शोहेब को गिरफ्तार करने वाले नारायणपुर चौकी प्रभारी अजय कुमार मिश्रा को इस मामले में नोटिस जारी कर तलब किया है।

दो लोगों को किया था गिरफ्तार

दरअसल, नारायनपुर चौकी प्रभारी अजय कुमार मिश्रा ने 26 जुलाई को नफर वारंटी रसूलागंज के रहने वाले मोहम्मद सोहेल खां और मिल्कीपुर के रहने वाले शहजादे को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश करके जेल भेज दिया था। बाद में पता चला कि ये मोहम्मद सोहेल खां नहीं है। यह शोहेब अहमद है। मोहम्मद सोहेल खां की मौत हो चुकी है। वहीं मिर्जापुर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सोमेन बर्मा ने मामले का संज्ञान में लेते हुए पूरे प्रकरण की जांच क्षेत्राधिकार चुनार मंजरी राव को दी है। वो जांच कर रही हैं। जांच के बाद आवश्यक कार्रवाई करने की बात कही जा रही है।

गांधी सभागार में खेल प्रोत्साहन सामग्री वितरण कार्यक्रम संपन्न

आर्यावर्त संवाददाता

पीलीभीत। जिला युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल विभाग जनपद पीलीभीत के तत्वाधान में चयनित मंगल दलों को खेल प्रोत्साहन सामग्री वितरण कार्यक्रम का आयोजन बुधवार को गांधी सभागार पीलीभीत में आयोजित किया गया।इस वितरण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि संजय सिंह गंगवार राज्यमंत्री गन्ना एवं चीनी मिलें उद्योग उ0प्र0 सरकार के अनुज प्रतिनिधि अजय सिंह गंगवार ब्लाक प्रमुख ललौरीखेड़ा एवं विशिष्ट अतिथि ज्ञानेंद्र सिंह जिलाधिकारी व मुख्य विकास अधिकारी श्री राजेंद्र कुमार श्रीवास उपस्थित रहे I 17 युवक मंगल दल एवं 36 महिला मंगल दल को प्रोत्साहन सामग्री का वितरण किया गया।शेष चयनित दलों को सभी विकास खण्ड के सभागार में इस सप्ताह में जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में वितरण कार्य किया जाएगा।जिलाधिकारी द्वारा मंगल दलों की सार्थकता एवं उपयोगिता को समझाया गया एवं किसी भी प्रकार के कार्यों के लिए सीधे संपर्क करने के लिए एवं सामजिक विकास,पौधारोपण हेतु अपना योगदान करने के लिए कहा गया I मुख्य विकास अधिकारी द्वारा मंगल दलों के कार्यों एवं जिम्मेदारियों के बारे में विशेष रूप से बताया गया।मुख्य अतिथि द्वारा मंगल दलों के सामाजिक कार्यों एवं कल्याणकारी योजनाओं में जुड़ने का एवं युवाओं को जोड़ने का आह्वान किया गया एवं अपने स्तर से पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया गया।कार्यक्रम में आए सभी दलों को एक एक पौधा देते हुए पौधारोपण मिशन को एवं ग्रीन चौपाल में मंगल दलों की भागीदारी की शुरुआत की गई।अमित कुमार प्रभारी जिला युवा कल्याण अधिकारी द्वारा कार्यक्रम की समस्त जानकारी देते हुये सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया गया।कार्यक्रम में क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी अन्नपूर्णा मिश्रा एवं श्री छविराम सिंह उपस्थित रहे।मंच का संचालन हरिओम बाजपेई किया गया।कार्यालय स्टाफ हेमन्त कुमार,मोतीराम,कुमारी लता कश्यप महेंद्र कुमार,सागर बाबू,सुरेश कुमार आदि उपस्थित रहे।

'मेरे सामने कपड़े बदलो...', जेल से छूटकर आए पिता ने बेटी से की ऐसी डिमांड, मां ने किया विरोध तो कर बैठा कांड

आर्यावर्त संवाददाता

बरेली। पिता और बेटी का रिश्ता बेहद पाक होता है। मगर कुछ लोग ऐसे भी होते हैं जो कि इस पवित्र रिश्ते को भी कलंकित कर देते हैं। उत्तर प्रदेश के बरेली में भी कुछ ऐसा ही हुआ। यहां एक महिला ने अपने पति पर गंभीर आरोप लगाए। बोली- मेरा पति हमारी 14 साल की बेटी पर गंदी नजर रखता है। वो अकेला पाकर उससे छेड़छाड़ करता है। यही नहीं, घर से भी लाखों का सामान लूटकर अब फरार हो गया है।

महिला ने थाने पहुंचकर अपने पति के खिलाफ शिकायत की है। पुलिस को महिला ने बताया कि उसका पति घर से जेवर, नकदी और स्कूटी लूटकर भागा है। पुलिस ने महिला की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज कर लिया है।

मामले की जांच की जा रही है।

सामने कपड़े बदलने को कहता है

मामला कैंट थाना क्षेत्र एक कॉलोनी का है। यहां एक महिला ने पुलिस से शिकायत करते हुए बताया कि उसका पति आपराधिक किस्म का है। वह किसी केस में जेल में बंद था। जेल से छूटने के बाद घर लौटा है। वह अपनी 14 साल की बेटी पर गंदी नजर रखता है। बेटी को घर पर अकेली पाकर छेड़खानी करता है। इतना ही नहीं महिला ने ये भी आरोप लगाए हैं कि अपने सामने ही बेटी को कपड़े बदलने के लिए कहता है। जिसकी जानकारी बेटी ने दी।

मां-बेटी की जमकर पिटाई कर डाली

मामले की जानकारी मिलने के बाद जब पति का विरोध किया तो दोनों की जमकर पिटाई की। इतना ही नहीं पत्नी का कहना है कि मांग का सिंदूर पोंछा और माथे पर थूंका भी। उसके बाद घर में रखे जेवर, नकदी और स्कूटी लेकर चला गया। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। जल्द से जल्द पकड़कर कार्रवाई करने की बात कह रही है।

डीएम-एसपी ने जिला कारागार का किया औचक निरीक्षण

पीलीभीत। जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह एवं पुलिस अधीक्षक अभिषेक यादव ने जिला कारागार का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कारागार में बन्दियों के किशोर बैरक, महिला बैरक, अन्य बैरकों का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने बैरक के निरीक्षण के दौरान बंदियों से बातचीत करते हुये उनकी समस्याओं का संज्ञान लेते हुये सम्बन्धित अधिकारियों को त्वरित निस्तारण करने हेतु निर्देशित किया। जिलाधिकारी ने महिला बैरक में महिला बन्दियों से बातचीत करते हुये उपलब्ध कराई जा रही व्यवस्थाओं के सम्बन्ध में जानकारी ली गई। किशोर बैरक के निरीक्षक के दौरान उन्होंने इच्छुक किशोरों को कम्प्यूटर शिक्षा दिलाऐं जाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जेल अधीक्षक को निर्देशित किया कि मानक के अनुरूप बंदियों को समस्त सुविधायें उपलब्ध कराई जाये। बंदियों से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि जिन बंदियों के पास जमानत हेतु वकील नही है।

स्कूल में टीचर ने उतरवाई बच्चे की चांदी की चेन, घर जाकर इस डर से मासूम ने लगा ली फांसी

आर्यावर्त संवाददाता

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर से एक दर्दनाक मामला सामने आया है। यहां एक शिक्षिका ने स्कूल में बच्चे से उसकी चांदी की चेन ले ली। फिर बच्चे को लगा कि उसकी मां उसको डांटेगी। इस बात से डरकर बच्चे ने घर में फांसी लगाकर जान दे दी। इसके बाद हड़कंप मच गया। घटना के समय घर पर कोई मौजूद नहीं था। मृतक बच्चे की पहचान स्वास्तिक (11) के रूप में हुई है। वो कक्षा छह में पढ़ता था। जानकारी के अनुसार, बच्चे को डर था कि उसकी मां उसको डांटेगी और इस बात का जिक्र उसने अपने दोस्त से भी किया था। दोस्त ने समझाया भी था कि कुछ नहीं होगा। इसके बावजूद बच्चे ने आत्मघाती कदम उठा लिया। ये मामला गोविंद नगर थाना क्षेत्र के तहत आने वाले दादा नगर इलाके है। कानपुर के ऋषि शर्मा एक कंपनी में

ट्रेडिंग का काम करते हैं, जबकि उनकी पत्नी एक निजी स्कूल में शिक्षिका हैं। उनका 11 वर्षीय बेटा स्वास्तिक श्रीमुनि इंटर कॉलेज में कक्षा 6 का छात्र था।

पिता ने की थी चेन गिफ्ट

स्वास्तिक को चेन पहनने का मन था तो उसके जन्मदिन पर पिता ऋषि शर्मा ने उसको चांदी की चेन गिफ्ट की थी। स्कूल में स्वास्तिक अपनी चेन निकाल कर दूसरे बच्चों को दिखा रहा था, जिस पर टीचर ने उसकी चेन जब्त कर ली। फिर मां के आने पर चेन लौटाने की बात कही। इसके बाद स्वास्तिक परेशान हो गया। स्कूल के बाद पहले वो अपने दोस्त राजवीर के घर गया। फिर वहां से अपने घर चला गया।

कमरे में फंदे से लटकता मिला शव

दोपहर का खाना खाने स्वास्तिक जब दादी के पास नहीं गया तो दादी ने उसके कमरे में जाकर देखा। कमरे में स्वास्तिक का शव फंदे से लटकते हुआ मिला। मृतक के दोस्त राजवीर ने बताया कि स्वास्तिक स्कूल के बाद उसके घर आया था और उससे पूछा था कि चेन की वजह से मां डांटेगी तो नहीं। इस पर राजवीर ने उसको समझाया था कि कुछ नहीं होगा। इसके बाद स्वास्तिक अपने घर चला गया था। स्वास्तिक अपने माता पिता का इकलौता बेटा था। उसकी मौत के बाद घर में कोहराम मच गया है। पुलिस का कहना है कि अगर तहरीर मिलती है, तो मुकदमा दर्ज करके कार्रवाई की जाएगी। वहीं स्वास्तिक के माता-पिता बेहाल हैं।

ब्रह्मकुमारीज के द्वारा भूतपूर्व सैनिकों को तनावमुक्त जीवन सदा खुश रहने की कला विषयक दी गई जानकारी

आर्यावर्त संवाददाता

मीरजापुर। ब्रह्माकुमारीज व ईसीएचएस के संयुक्त तत्वावधान में भूतपूर्व सैनिकों के लिए तनावमुक्त जीवन सदा खुश रहने की कला विषयक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम भारत सरकार के सुरक्षा विभाग व ब्रह्माकुमारीज के अनुबंध के तहत भूतपूर्व सैनिकों के मानसिक स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए प्रति माह आयोजित किया जायेगा। इस अवसर पर जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास विभाग के श्यामधर, मीरजापुर के ब्रह्मकुमारीज सेवा केन्द्र के प्रभारी बीके बिंदु, डॉ ए के सिंह आदि मौजूद रहे। राजयोगिनी बिंदु बहन ने मानसिक स्वास्थ्य के बारे में विस्तार से जानकारी दी और सभी को ध्यान कराया। बीके राजकन्या दीदी ने संस्था के द्वारा पूरे विश्व में किए जा रहे आध्यात्मिक सकारात्मक कार्य के बारे में बताया।

दीदी को डांटा तो जीजा के भाई संग हो गई गुत्थम गुत्थी, सिर के 'बाल' उखाड़ ले गया साला

आर्यावर्त संवाददाता

देवरिया। उत्तर प्रदेश के देवरिया से लड़ाई का अजब गजब मामला सामने आया है। यहां सुलह के लिए आए युवक ने किसी बात पर पत्नी को डांटा। इससे साले को गुस्सा चढ़ गया। उसने जीजा और उसके भाई से जमकर मारपीट की। बाद में जीजा के भाई के सिर पर लगी विग (नकली बाल) को उखाड़ कर ले भागा। मामला गांव बहोर का है। यहां रहने वाले सूरज सोनकर और उनकी पत्नी के बीच पारिवारिक विवाद चल रहा है। कुछ दिन पहले आपसी कहासुनी के बाद पत्नी, अपने मायके देवरिया शहर लौट गई थी। उसने अपने पति सूरज पर उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए महिला थाने में लिखित शिकायत दी थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने दोनों पक्षों को मंगलवार को थाने बुलाकर समझौते की प्रक्रिया शुरू की। पुलिस की मध्यस्थता के

बाद सूरज की पत्नी फिर से ससुराल जाने के लिए राजी हो गई। थाने में सब कुछ शांतिपूर्वक चला, लेकिन जैसे ही दोनों पक्ष थाने से बाहर निकले, सूरज ने पत्नी से तेज आवाज में कुछ कह दिया। बस फिर क्या था। महिला के पिता, भाई और अन्य परिजन भड़क उठे। महिला पक्ष के लोगों ने देखते ही देखते सूरज के छोटे भाई संदीप सोनकर, जो कि ग्राम प्रधान हैं, पर हमला कर दिया। जमकर पिटाई की गई। संदीप ने बताया कि सूरज का साला उनके सिर से उनका विग खींचकर निकाल लिया गया और लात-घूंसे बरसाए गए। भीड़ में मौजूद लोगों ने प्रधान को जमीन पर गिराकर पीटा। इस घटना में संदीप सोनकर को गंभीर चोटें आईं और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया।

पुलिस पर भी लगाया ये आरोप

पीड़ित संदीप सोनकर ने आरोप लगाया है कि यह वारदात महिला थाने के ठीक बाहर हुई। उस वक्त वहां कुछ पुलिसकर्मी भी मौजूद थे, लेकिन किसी ने भी बीच-बचाव नहीं किया। हमलावर हमला कर भाग निकले और पुलिस मूकदर्शक बनी रही। थाने की सीमा में ऐसी घटना और पुलिस की निष्क्रियता ने कानून व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। वहीं, अब संदीप सोनकर की तहरीर पर पुलिस ने महिला के पिता और भाई सहित तीन नामजद लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

चोरी की वारदात का कोतवाली पुलिस ने किया खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार

आर्यावर्त संवाददाता

पूरनपुर, पीलीभीत। क्षेत्र में लाखों रूपये के जेवरात और नगदी चोरी की वारदात का खुलासा करते हुए पुलिस ने दो शातिर चोरों को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए आरोपियों के कब्जे से चोरी के कीमती जेवरात बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार इस गिरोह के अन्य दो सदस्य अभी फरार हैं, जिनकी गिरफ्तारी के लिए टीमें गठित कर दबिश दी जा रही है।थाना पूरनपुर क्षेत्र के ग्राम मुजफ्फर नगर निवासी रंजीत सिंह के घर में 25 जुलाई की रात अज्ञात चोरों ने घटना को अंजाम दिया था। इस दौरान चोर घर में रखे पांच सोने की चेन, चार सोने की बालियां, एक कंगन, एक झुमकी, दो अंगूठियां और ₹26 हजार नकद चोरी कर ले गए थे। इस वारदात से क्षेत्र में हड़कंप मच गया था। पीड़ित की तहरीर पर थाना पूरनपुर में मुकदमा दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू की गई थी।घटना के अनावरण के लिए थाना प्रभारी पूरनपुर के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई। टीम ने घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले और मोबाइल सर्विलांस की मदद से आरोपियों का सुराग लगाया। पुलिस ने ग्राम धर्मपुर खुर्द निवासी राजू पुत्र महेन्द्र और ग्राम गुलड़िया भूपसिंह निवासी जसपाल पुत्र वीर सिंह को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में दोनों ने चोरी की वारदात में शामिल होने की बात कबूल कर ली।पुलिस ने बताया कि यह कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पीलीभीत के निर्देशन में चलाए जा रहे अपराध विरोधी अभियान के तहत की गई। पुलिस ने इलैक्ट्रॉनिक साक्ष्य और स्थानीय सुरागों के आधार पर वारदात को महज कुछ ही दिनों में सुलझा लिया।पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों की निशानदेही पर दो सोने की चेन बरामद कर ली हैं। शेष चोरी गया सामान बरामद करने और गिरोह के अन्य सदस्यों की गिरफ्तारी के लिए प्रयास जारी हैं।पूछताछ के दौरान गिरफ्तार अभियुक्तों ने चोरी में अन्य दो साथियों का भी नाम उजागर किया है। इनमें राजू पुत्र महेन्द्र (उम्र करीब 28 वर्ष) निवासी ग्राम धर्मपुर खुर्द, थाना पूरनपुर और अरविंद पुत्र बल्ला निवासी ग्राम कुकरा, थाना मैलानी, जनपद लखीमपुर खीरी शामिल हैं। दोनों आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम दबिश दे रही है।थाना प्रभारी ने कहा कि जल्द ही फरार अभियुक्तों को भी गिरफ्तार कर शेष माल बरामद किया जाएगा।पुलिस ने क्षेत्र के लोगों से अपील की है कि घरों में सीसीटीवी कैमरे लगवाएं और संदिग्ध व्यक्तियों की सूचना तत्काल पुलिस को दें, ताकि इस तरह की घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके।

चित्रकूट में सबसे ज्यादा बच्चे बौनेपन का शिकार, नहीं बढ़ रही 50 फीसदी से ज्यादा बच्चों की हाइट

आर्यावर्त संवाददाता

चित्रकूट। उत्तर प्रदेश में बच्चे बौनेपन का शिकार हो रहे हैं। 34 जिलों में पांच साल तक के बच्चों में बौनेपन की दर 50 प्रतिशत से ज्यादा है, जो एक चिंता का विषय बन गया है। केंद्रीय महिला और बाल विकास मंत्रालय की ओर से संसद में पेश की गई ताजा रिपोर्ट के मुताबिक चित्रकूट जिला 59। 58 प्रतिशत बौनेपन की दर के साथ देश में तीसरे स्थान पर है। यह खुलासा केंद्रीय राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर ने 25 जुलाई को बिहार के सीपीआई सांसद सुदामा प्रसाद और टीडीपी सांसद श्रीभरत मथुकुमिलि के सवालों के जवाब में किया।

रिपोर्ट के मुताबिक, देश भर के 63 जिलों में बौनेपन की दर 50 प्रतिशत से ज्यादा है, जिसमें से 34 जिले अकेले उत्तर प्रदेश के हैं।

महाराष्ट्र का नंदुरबार जिला 68। 12 प्रतिशत के साथ पहले और झारखंड का पश्चिम सिंहभूम 59। 48 प्रतिशत के साथ दूसरे स्थान पर है। उत्तर प्रदेश के चित्रकूट, बांदा, संभल, फिरोजाबाद, जौनपुर, हमीरपुर, बरेली, अमरोहा, सीतापुर और एटा जैसे जिले बौनेपन के मामले में टॉप 10 की लिस्ट में शामिल हैं।

50 प्रतिशत बच्चे बौनेपन से पीड़ित

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि जून 2025 तक आंगनबाड़ी और पोषण ट्रैकर पर देश भर में 7। 36 करोड़ बच्चे रजिस्टर्ड हैं, जिनमें से 7 करोड़ बच्चों की लंबाई और वजन का डाटा इकट्ठा किया गया। इस डाटा से पता चला कि 13 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 63 जिलों में 50 प्रतिशत से ज्यादा बच्चे बौनेपन से पीड़ित हैं। उत्तर प्रदेश के 34 जिलों का इस लिस्ट में शामिल होना राज्य में पोषण और स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति पर गंभीर सवाल उठाता है।

बौनेपन की उच्च दर की रिपोर्ट

उत्तर प्रदेश के बाल विकास सेवा और पुष्टाहार विभाग की निदेशक सरनीत कौर ब्रोका ने हाल ही में दावा किया था कि संभव अभियान 4। 0 के तहत कुपोषण, आयरन की कमी और एनीमिया की दर में कमी आई है। मई 2025 की NFHS-5 (राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5) की रिपोर्ट के मुताबिक, तीव्र कुपोषण (Wasting) की दर 2019-21 के 17। 3 प्रतिशत से घटकर 4 प्रतिशत और अल्पवजन बच्चों की दर 34। 5 प्रतिशत से घटकर 20 प्रतिशत हो गई है। इस सफलता के आधार पर 7 जुलाई 2025 को संभव अभियान 5। 0 की शुरुआत भी की गई। हालांकि, संसद में पेश की गई बौनेपन की उच्च दर की रिपोर्ट इन दावों पर सवाल खड़े करती है। एक्सपर्ट का मानना है कि बौनेपन की समस्या कुपोषण, खराब स्वास्थ्य सेवाओं और सामाजिक-आर्थिक असमानताओं का परिणाम है, जिसे दूर करने के लिए और ठोस कदम उठाने की जरूरत है।

ये जिले सबसे ज्यादा प्रभावित

रिपोर्ट में उत्तर प्रदेश के कुछ जिलों की स्थिति खासतौर पर चिंताजनक बताई गई है। चित्रकूट में 59। 44 प्रतिशत बच्चे बौनेपन से ग्रस्त हैं, जबकि बांदा में यह आंकड़ा 59। 33 प्रतिशत है। संभल (56। 79%), फिरोजाबाद (56। 37%), जौनपुर (54। 89%), और हमीरपुर (54। 72%) जैसे जिले भी इस संकट से जूझ रहे हैं।

इसके अलावा, हापुड़, मुजफ्फरनगर, सोनभद्र, मिर्जापुर, फर्रुखाबाद, उन्नाव, कौशांबी, मैनपुरी, सुलतानपुर, गाजीपुर, बाराबंकी, पीलीभीत, बदायूं, प्रतापगढ़, गोंडा, सिद्धार्थनगर, हरदोई, फतेहपुर, आगरा, ललितपुर, महोबा, लखनऊ, रायबरेली और मुरादाबाद जैसे जिले भी इस समस्या से अछूते नहीं हैं। बौनेपन की उच्च दर बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास पर दीर्घकालिक प्रभाव (long term effects) डाल सकती है। यह परेशानी सिर्फ पोषण की कमी तक सीमित नहीं है। बल्कि, स्वच्छता, शिक्षा, और आर्थिक स्थिति जैसे कारकों से भी जुड़ी है।

सोने के इयररिंग्स बनवाने जा रही हैं? ये लेटेस्ट डिजाइन जरूर देखें

यदि आप अपने लिए या अपने परिवार की किसी महिला के लिए सोने के इयररिंग्स बनवाना चाहती हैं तो यहां उसके कुछ डिजाइन हम आपको दिखाने जा रहे हैं।

शायद ही कोई महिला ऐसी होगी, जिसे आभूषण पहनना पसंद न हो। इसी के चलते महिलाओं के पास जब भी पैसा होता है तो ो सबसे पहले अपने लिए गहने बनवाती हैं। खासतौर पर बात करें इयररिंग्स की तो कानों में झुमके पहनना तो महिलाओं को सबसे प्रिय होता है। यही वजह है कि महिलाओं के पास इयररिंग्स का शानदार कलेक्शन होता है।

तो यदि आप गोल्ड इयररिंग खरीदने का प्लान कर रही हैं तो हमारे इस लेख को अंत तक देखें। यहां गोल्ड इयररिंग्स के लेटेस्ड डिजाइन दिए जा रहे हैं, ताकि आप उससे टिप्स लेकर अपने लिए नयी डिजाइन के गहने बनवा सकें।

पहली डिजाइन

नजर डालते हैं इस पहली डिजाइन पर तो ऐसी लटकन वाली डिजाइन देखने में काफी क्लासी लगती है। ऐसे में आप ऐसी लटकन वाली डिजाइन का चयन कर सकते हैं, जिसमें फूल बना हो। एथनिक वियर के साथ इस तरह के इयररिंग्स कमाल के लगते हैं। इस तरह की डिजाइन पर चाहें तो नग जड़वा लें।

दूसरी डिजाइन

ज्यादा लंबी डिजाइन नहीं चाहिए तो आप ऐसी तितली वाली डिजाइन का चयन कर सकती हैं। इस तरह की डिजाइन के इयररिंग्स पहनकर जब आप जाएंगी तो लोग आपको देखते रह जाएंगे। ऐसी डिजाइन बनवाने के लिए ज्यादा सोने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इसलिए इसका चयन करें।

तीसरी डिजाइन

इस तरह की का चयन उन महिलाओं को करना चाहिए, जिन्हें कानों में लटकने वाले इयररिंग्स पहनना पसंद हों। इस तरह के इयररिंग्स की डिजाइन को अपने हिसाब से कस्टमाइज करवा सकती हैं। ऐसी डिजाइन बनवा रही हैं तो उसमें नग अवश्य जड़वाएं और छोटी-छोटी लटकन अवश्य लगवाएं।

चौथी डिजाइन

यदि बजट का कोई इश्यू नहीं है तो इस तरह की डिजाइन का चयन करके अपने लिए जड़ाऊ इयररिंग्स तैयार कराएं। ऐसे जड़ाऊ इयररिंग्स देखने में बेहद ही खूबसूरत लगते हैं। इसको उस वक्त पहनें, जब आप पारंपरिक लुक कैरी कर रही हैं। इसके मैचिंग का सेट भी आपकी खूबसूरती को बढ़ाएगा।

पांचवी डिजाइन

कुछ पारंपरिक बनवाने का प्लान है तो इस तरह से इयररिंग्स बनवाएं। ऐसे इयररिंग्स लुक को कमाल का बना देते हैं। खास बात ये है कि ऐसे इयररिंग्स ज्यादातर नयी दुल्हनों को तोहफे में दिए जाते हैं, क्योंकि ये काफी भारी होते हैं। यदि आपके घर में शादी है, तो इस डिजाइन का चयन करें।

छठी डिजाइन

कुछ हल्का सा रोजाना में पहनने के लिए बनवाना है तो इससे बेहतर विकल्प आपके लिए कुछ नहीं हो सकता। ऐसी बालियां कानों में बेहद प्यारी लगती हैं। खासतौर पर इनपर जो लटकन लगी है, वो तो देखने में और भी ज्यादा खूबसूरत लगती है। तो आप भी इस डिजाइन को ध्यान से देखकर उसका चयन करें।

फ्लोरल ड्रेस से सूट तक, ऑफिस में स्टाइलिश और क्लासी लुक के लिए देखें ये आउटफिट

ऑफिस के लिए आउटफिट सेलेक्ट करते हुए लड़कियां कई बार कन्फ्यूज हो जाती हैं, क्योंकि वह स्टाइलिश दिखने के साथ ही क्लासी लुक भी पाना चाहती हैं। इसके लिए सूट से लेकर फ्लोरल ड्रेस तक यहां देखिए वर्क प्लेस पर परफेक्ट लुक पाने के लिए आउटफिट के डिजाइन।

कृति सेनन ने वाइट बेस की फ्लोरल ड्रेस कैरी की है। फुल स्लीव वी-नेक मिडी ड्रेस में वह प्रिटी लग रही हैं। उन्होंने मेकअप से लेकर ज्वेलरी तक लुक को भी काफी मिनिमम रखा है। इस तरह का लुक ऑफिस में ट्राई किया जा सकता है। शॉर्ट के साथ ही लॉन्ग फ्लोरल ड्रेसेस कंफर्टेबल लुक देती हैं।

श्वेता तिवारी अक्सर खूबसूरत चिकनकारी कुर्ती में फोटो शेयर करती हैं। उनके ये दोनों ही लुक एलिगेंट लग रहे हैं। ऑफिस के लिए अगर चिकनकारी वर्क कुर्ती खरीद रही हैं तो कॉटन फैब्रिक बेस्ट रहता है। आप इस तरह की कुर्ती को पेंसिल जींस के साथ भी पेयर कर सकती हैं।

श्वेता तिवारी हर लुक से फैशन गोल सेट करती नजर आती हैं। उनके इस नए लुक की तरह बेल्ट वाली मिडी ड्रेस आपको ऑफिस में स्टाइलिश और बॉसी लुक देने में हेल्प करेगी। हूप ईयररिंग और हाई हील्स के साथ लुक को पूरा करें।

फ्लोरल प्रिंट स्ट्रैपी फ्रॉक कुर्ती में प्रज्ञा जायसवाल फ्लॉलेस लुक में हैं। इस तरह के सिंपल सूट भी ऑफिस में बढ़िया लुक देते हैं। अगर आपको एथनिक ज्यादा पसंद है तो इस तरह के फ्रॉक सूट को अपनी ऑफिस वार्डरोब में जगह दें।

ऑफिस में अगर कोई खास ओकेजन हो तो मौनी रॉय के इन साड़ी लुक से आइडिया लिया जा सकता है। एक्ट्रेस ने लाइट वेट साड़ियां कैरी की हैं। वाइट साड़ी के साथ उन्होंने मैचिंग का टर्टल नेक नेट का ब्लाउज कैरी किया है तो वहीं ब्लैक साड़ी के साथ कट स्लीव ब्लाउज और पर्ल ज्वेलरी पेयर की है।

फ्रिज में बन जाता है बर्फ का पहाड़ तो आसानी से पिघलाने के लिए आजमाएं ये टिप्स, बिना डिफ्रॉस्ट के हो जाएगा काम

बदलते समय के साथ फ्रिज का उपयोग इतना ज्यादा बढ़ गया है कि बारिश और सर्दी के मौसम में भी इस इलेक्ट्रिकल अप्लायंसेज का इस्तेमाल होता है। मगर फ्रिज के फ्रीजर में अक्सर बहुत ज्यादा बर्फ जम जाती है, और इसे साफ करने में काफी मशक्कत का सामना करना पड़ता है। वैसे तो लोग फ्रीजर को डिफ्रॉस्ट करके आसानी से साफ कर लेते हैं, लेकिन इसका एक नुकसान भी है।

दरअसल जब आप फ्रीजर को डिफ्रॉस्ट करते हैं तो फ्रिज की कूलिंग भी बंद हो जाती है। ऐसे में फ्रिज में रखे फल-सब्जियां और खाने-पीने का सामान खराब होने के खतरा बढ़ जाता है। इसलिए आप हम आपको बर्फ पिघलाने का घरेलू नुस्खा बताने जा रहे हैं। जो बहुत ही आसान होने के साथ ही उपयोगी भी है।

गरम पानी की बाल्टी

फ्रीजर में जरूरत से ज्यादा बर्फ जम जाए या बर्फ का पहाड़ जैसा ही देखने लगे तो भी आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। इसे आसानी से पिघलाने के लिए आप एक छोटी बाल्टी में तेज पानी कर लीजिए। आपको बाल्टी का साइज फ्रीजर के हिसाब से देखना होगा। ताकि गर्म पानी की बाल्टी आराम से फ्रीजर के अंदर रखी जा सके। इसके रखने के कुछ देर में ही बर्फ पिघलने लगेगी।

छोटी बाल्टी नहीं होने पर करें ये उपाय

अब आप सोच रहे होंगे कि अगर छोटी बाल्टी ना हो तो इस नुस्खे को नहीं अपनाया जा सकता क्या। तो ऐसा बिल्कुल भी नहीं है। दरअसल छोटी बाल्टी ना होने पर आप कॉफी के मग में गर्म पानी को भर लीजिए। अब धीरे-धीरे फ्रीजर में डालते जाएये। इस ट्रिक की मदद से भी फ्रीजर का जमा बर्फ आसानी से पिघल जाएगा।

लकड़ी का चम्मच आएगा काम

कई दफा फ्रिज में जमा बर्फ का पहाड़ गर्म पानी की मदद से भी आसानी से साफ नहीं होता है। इसलिए गर्म पानी डालने के साथ आप लड़की के चम्मच की मदद से भी फ्रिज को साफ कर सकते हैं। इससे कुछ ही देर में फ्रीजर से पूरा बर्फ क्लीन हो जाएगा। सबसे अच्छी बात है कि डिफ्रॉस्ट भी नहीं करना पड़ेगा।

हेयर ड्रायर भी है मददगार

अगर आपको गर्म पानी से बर्फ पिघलाना झंझट का काम लगता है तो आप हेयर ड्रायर का इस्तेमाल कर सकती हैं। इसके लिए आपको नॉर्मल स्पीड पर हेयर ड्रायर को चलाना होगा, इससे कुछ ही देर में फ्रीजर का बर्फ पिघल जाएगा। यह ट्रिक आसान होने के साथ ही बेहद काम की भी है।

गुजराती छोकरी बनीं अजय देवगन की बिटिया रानी जानकी, घाघरा–चोली में लगीं इतनी खूबसूरत कि नीसा भी पड़ जाए फीकी

बीते साल अजय देवगन की फिल्म 'शैतान' ने सिनेमाघरों में दस्तक दी थी, जो गुजराती फिल्म 'वश'की रीमेक थी। इस फिल्म में 'वश' की हीरोइन जानकी बोड़ीवाला ही अजय की ऑनस्क्रीन बेटी के रोल में दिखी थीं। फिल्म में जानकी की एक्टिंग को देख हर कोई उनका दीवाना हो गया, तो उनकी खूबसूरती पर भी सबका दिल आ गया था। पहले ही बॉलीवुड फिल्म से वह फैंस के बीच अपनी जगह बनाने में सफल रहीं, तो अब वह अपने शानदार लुक्स से सोशल मीडिया पर धमाल मचा जाती हैं।

अब हसीना ने अमेरिका में नवरात्रि सेलिब्रेशन के दौरान की तस्वीरें शेयर की हैं। जहां घाघरा-चोली में एकदम गुजराती छोकरी का रूप धरकर वह कमाल कर गईं, तो उनका देसी अंदाज खूब शानदार लगा। हसीना का ये लुक अब हर जगह छाया हुआ है। जिसमें वह रंग-बिरंगे कपड़ों में बला की खूबसूरत लगीं। यकीन मानिए आप भी अजय की इस ऑनस्क्रीन बिटिया रानी को देख दिल दे बैठेंगे।

ऐसी है जानकी की आउटफिट

जानकी ने इंस्टाग्राम पर अपनी फोटोज शेयर की हैं। जिसमें वह पलक सावनी के लेबल वस्त्र के खूबसूरत मल्टीकलर घाघरा-चोली में नजर आ रही हैं। जिसमें उनके घाघरे की हर कली पर अलग-अलग रंग शानदार लगा, तो गुजराती प्रिंट ने इसे और आकर्षक बना दिया। वहीं, उनकी वेस्ट पर सितारों से सजी बेस्ट है, तो सीपियां भी लटकी हैं। इस घेरदार घाघरे में जानकी बेहद ही गॉर्जियस लगीं।

चोली और दुपट्टा भी है कमाल

जानकी ने इसके साथ स्लीवलेस चोली स्टाइल की। जिस पर मिरर वर्क के साथ ही मोती लगे हैं, तो अलग-अलग रंगों से कढ़ाई करके शानदार पैटर्न बनाया है। जिसमें हाथी सहित कुछ जानवर भी हैं। जिससे ये गोल नेकलाइन चोली हसीना पर खूब जची, तो साथ में उन्होंने घाघरे जैसे प्रिंट वाला दुपट्टा कैरी किया। जिसे सुनहरे गोटे के बॉर्डर के साथ फिनिशिंग टच दिया है।

जूलरी ने लगाए लुक में चार चांद

अपने इस लुक को जानकी ने बेहद ही प्यारी जूलरी के साथ स्टाइल किया। जिसने उनके लुक में चार चांद लगा दिए। उन्होंने कपड़ों के लेबल वस्त्र के साथ ही जूलरी ब्रांड Dohe इंडिया की एक्सेसरीज पहनी। मोर डिजाइन वाला उनका कलरफुल चोकर सेट, मैचिंग ईयररिंग्स और कंगन आउटफिट को कॉम्प्लिमेंट कर रहे हैं, तो स्टेज पर वह कंगन के साथ पर्पल चूड़ियां भी पहने दिखीं। वहीं, रिंग के साथ लुक को पूरा किया।

हेयर- मेकअप रहा ऑन पॉइंट

वहीं, आखिर में बात करते हैं जानकी के मेकअप और हेयर स्टाइल की, जो उन पर फब रहा है। पिंक शिमरी आइज, पिंक लिप्स और ब्लश्ड चीक्स के साथ पिंकिश टोन वाला ये मेकअप बढ़िया लगा, तो मिडिल पार्टीशन के साथ उन्होंने बालों की ब्रेड बनाई। साथ ही फ्रंट में फ्लिक्स निकालकर उन्हें कर्ली ट्विस्ट दिया। जिससे चेहरे पर आती लटों में जानकी प्यारी लगीं।

शैलेश जेजुरिकर संभालेंगे प्रॉक्टर एंड गैंबल कंपनी का सीईओ पद, 2026 से प्रभावी होगी नियुक्ति

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया की कुछ सबसे बड़ी कंपनियों में भारतीय अधिकारी लगातार टॉप पॉजिशन संभाल रहे हैं। इस लिस्ट में लेटेस्ट नाम शैलेश जेजुरिकर का है, जो जनवरी 2026 से उपभोक्ता वस्तुओं की दिग्गज कंपनी प्रॉक्टर एंड गैंबल के वैश्विक सीईओ बनेंगे। जेजुरिकर अमेरिका में भारतीय सीईओ की लंबी सूची में शामिल हो गए हैं, जिसमें सुंदर पिचाई, सत्य नडेला, अरविंद श्रीनिवास, शांतनु नारायण, अरविंद कृष्णा, नील मोहन और लीना नायर जैसे नाम शामिल हैं।

मुंबई में जन्मे जेजुरिकर वर्तमान में कंपनी के मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) हैं। पीएंडजी में नेतृत्व बदलाव के तहत उनकी प्रमोशन की घोषणा की गई। कंपनी के वर्तमान सीईओ जॉन आर मोलर कार्यकारी अध्यक्ष की भूमिका निभाएंगे। जेजुरिकर ऐसे समय में सीईओ की भूमिका निभा रहे हैं, जब उपभोक्ता वस्तुओं का यह समूह, अन्य कंपनियों की तरह, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के व्यापार युद्ध और आर्थिक अनिश्चितता से निपटने के लिए संघर्ष कर रहा है।

भारत में जन्मे 58 वर्षीय शैलेश जेजुरिकर ने हैदराबाद पब्लिक स्कूल से अपनी स्कूली शिक्षा पूरी की। रिपोर्ट के अनुसार, वहां वे सत्या नडेला के सहपाठी थे। जेजुरिकर ने मुंबई के एलफिंस्टन कॉलेज से स्नातक की पढ़ाई पूरी की और फिर एमबीए के लिए आईआईएम लखनऊ में दाखिला लिया।

जेजुरिकर 1989 में आईआईएम लखनऊ से एमबीए पूरा करने के तुरंत बाद पी एंड जी में शामिल हो गए। भारत में पर्सनल हेल्थ केयर के सहायक ब्रांड मैनेजर के रूप में शामिल होने के बाद, उन्होंने जल्द ही पद प्राप्त कर लिए और कंपनी के वैश्विक संचालन में एक प्रमुख व्यक्ति बन गए। पीएंडजी के भावी सीईओ 2014 से कंपनी की वैश्विक नेतृत्व टीम का हिस्सा रहे हैं और अलग-अलग श्रेणियों, क्षेत्रों और क्षेत्रों में वरिष्ठ नेतृत्व की भूमिकाएं निभा चुके हैं। अक्टूबर 2021 में उन्हें सीओओ के पद पर प्रमोशन किया गया। प्रॉक्टर एंड गैंबल एक बहुराष्ट्रीय उपभोक्ता वस्तु कंपनी है जिसके पास विश्वसनीय ब्रांडों का एक विशाल पोर्टफोलियो है। उनके कुछ प्रसिद्ध उत्पादों में एरियल, टाइड, पैम्पर्स, जिलेट, ओरल-बी, पैंटीन, हेड एंड शोल्डर, ओले और विक्स शामिल हैं। ये उत्पाद शिशु देखभाल, कपड़े और घरेलू देखभाल, स्त्री देखभाल, सौंदर्य प्रसाधन, बालों की देखभाल, मुख देखभाल और व्यक्तिगत स्वास्थ्य देखभाल जैसी अलग-अलग श्रेणियों में उपलब्ध हैं।

आरबीआई कब कम करेगा आपकी लोन ईएमआई, 6 एक्सपर्ट्स ने की भविष्वाणी

सेंट्रल बैंक ने भले ही रेपो रेट में कोई बदलाव ना किया हो, लेकिन अपनी अपेक्षाकृत आक्रामक रुख को 'न्यूट्रल' कर ब्याज दर में कटौती की दिशा में पहला कदम उठा लिया है। आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर देश के 6 एक्सपर्ट्स का क्या कहना है?

भारतीय रिजर्व बैंक के ब्याज दर में कोई बदलाव ना करते हुए अपने स्टांस को न्यूट्रल कर दिया है। अपने स्टांस में बदलाव करने के फैसले से आरबीआई ने देशभर के सभी जानकारों को सरप्राइज कर दिया। इसका मतलब है कि आने वाले कुछ महीनों में आरबीआई ने ब्याज दरों में कटौती की संभावनाओं को ओपन कर दिया है। आरबीआई के इस फैसले को व्यावहारिक बता रहे हैं। आने वाले महीनों में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद है। जानकारों का कहना है कि सेंट्रल बैंक ने भले ही रेपो रेट में कोई बदलाव ना किया हो, लेकिन अपनी अपेक्षाकृत आक्रामक रुख को 'न्यूट्रल' कर ब्याज दर में कटौती की दिशा में पहला कदम उठा लिया है। आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर देश के 6 एक्सपर्ट्स का क्या कहना है?

6 जानकारों ने ये की भविष्यवाणी

उद्योग मंडल एसोचैम ने आरबीआई की मौद्रिक नीति समीक्षा को यथार्थवादी और व्यावहारिक बताते हुए कहा कि 'उदार रुख वापस लेने' और 'तटस्थ' रुख अपनाना संकेत है कि अगली कुछ तिमाहियों में ब्याज दर में गिरावट आएगी। एसोचैम के महासचिव दीपक सूद ने कहा कि रुख में बदलाव कर 'तटस्थ' करने को सकारात्मक कदम के रूप में देखा जाना चाहिए। यह आरबीआई की मजबूत मौद्रिक नीति की ओर संकेत करता है, जो कि घरेलू और वैश्विक घटनाओं से प्रेरित है।

वित्तीय परामर्श कंपनी डेलॉयट इंडिया की अर्थशास्त्री रुमकी मजूमदार ने कहा कि हालांकि सितंबर में अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा नीतिगत दरों में कटौती के निर्णय से नीतिगत दरों में बदलाव के लिए कुछ गुंजाइश बनी है। हालांकि, आरबीआई के ऐसा निर्णय लेने से पहले मुद्रास्फीति और मुद्रा की गतिविधियों पर नजर रखना समझदारी होगी। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ी तो आरबीआई दिसंबर में ब्याज दर घटा सकता है। त्योहारी महीनों के दौरान कीमतों में उतार-चढ़ाव महत्वपूर्ण होगा।

बंधन बैंक के मुख्य अर्थशास्त्री और शोध प्रमुख सिद्धार्थ सान्याल ने कहा कि रेपो दर पर यथास्थिति कोई आश्चर्य की बात नहीं थी। एमपीसी ने आने वाले महीनों में वैश्विक स्तर पर संकट, महत्वपूर्ण चुनाव परिणाम, जिंसों के मूल्य रुझान और घरेलू वृद्धि-मुद्रास्फीति गतिशीलता से संबंधित महत्वपूर्ण सूचनाओं की प्रतीक्षा करने का सही निर्णय लिया।

एचडीएफसी बैंक के मुख्य अर्थशास्त्री अभीक बरुआ ने कहा कि आज की घोषणा ने मौद्रिक नीति निर्माण में घरेलू परिस्थितियों पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि शीर्ष बैंक ने मुद्रास्फीति की दर में टिकाऊ आधार पर कमी की प्रवृत्ति को स्वीकार किया है, हालांकि घरेलू और वैश्विक जोखिमों का जिक्र भी किया है। बरुआ ने कहा कि इसे देखते हुए, अगर आने वाले महीनों में स्थितियां अनुकूल होती हैं, तो दिसंबर में ब्याज दर में कटौती की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है।

आनंद राठी शेयर्स एंड स्टोक ब्रोकर्स के मुख्य अर्थशास्त्री और कार्यकारी निदेशक सुजान हाजरा ने कहा कि नीतिगत दर रेपो को यथावत रखने और रुख को तटस्थ करने के आरबीआई का निर्णय अपेक्षा के अनुरूप है। हाजरा ने कहा कि हमारा मानना है कि अगर अक्टूबर-दिसंबर, तिमाही तक वृहत आर्थिक संकेतक कमजोर बने रहे, तो दिसंबर, 2024 में दरों में कटौती की संभावना बढ़ जाएगी। हालांकि, अगर वृद्धि में तेजी आती है तो आरबीआई फरवरी, 2025 तक इंतजार कर सकता है।

बजाज फिनसर्व एएमसी के वरिष्ठ कोष प्रबंधक सिद्धार्थ चौधरी ने कहा कि उदार रुख वापस लेने से तटस्थ रुख में बदलाव इस तथ्य की स्वीकृति है कि आधार प्रभाव के कारण अगले कुछ महीनों में उछाल को छोड़कर, आने वाली तिमाहियों में मुद्रास्फीति कम होने की उम्मीद है। साथ ही वृद्धि के संकेत देने वाले महत्वपूर्ण आंकड़े धीमे हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि भले ही वृद्धि पूर्वानुमान को नीचे की ओर संशोधित नहीं किया गया है, लेकिन इस बदलाव ने आरबीआई के लिए आगामी नीतियों में दरों में कटौती करने की गुंजाइश बनाई है।

नायरा एनर्जी ने माइक्रोसॉफ्ट के खिलाफ दाखिल की याचिका

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी कंपनी माइक्रोसॉफ्ट की ओर से महत्वपूर्ण सेवाओं को अचानक और एकतरफा बंद करने के विरोध में पेट्रोलियम कंपनी नायरा एनर्जी ने उसके खिलाफ दिल्ली हाई कोर्ट में याचिका दायर की है। कंपनी ने कहा कि माइक्रोसॉफ्ट ने अपने डाटा, टूल्स और उत्पादों के उपयोग को प्रतिबंधित कर रहा है, जबकि इन सर्विसेज के लिए भुगतान कर लाइसेंस के तहत हासिल किया गया है। उसने एकतरफा निर्णय यूरोपीय संघ (ईयू) द्वारा मास्को पर लगाए गए प्रतिबंधों से प्रेरित बताया है। नायरा ने कहा, यह निर्णय पूरी तरह से माइक्रोसॉफ्ट द्वारा हाल ही में ईयू के प्रतिबंधों की एकतरफा व्याख्या पर आधारित है और भारत के ऊर्जा पारिस्थितिकी तंत्र पर इसके प्रभाव के बारे में गंभीर चिंताएं पैदा करता है। तेल शोधन और विपणन कंपनी ने कहा, माइक्रोसॉफ्ट ने बिना किसी अमेरिकी या भारतीय कानूनी आवश्यकता के नायरा एनर्जी से सर्विसेज वापस लेने का फैसला किया है। याचिका में अपने अधिकारों की रक्षा और सर्विस बहाली की मांग की है। इस महीने की शुरुआत में यूरोपीय संघ ने यूक्रेन के साथ युद्ध को लेकर रूस के खिलाफ नए उपायों के तहत नायरा पर प्रतिबंध लगा दिए थे। यह गुजरात के वाडिनार में 2 करोड़ टन प्रति वर्ष की क्षमता वाली तेल रिफाइनरी के साथ-साथ 6,750 से ज्यादा पेट्रोल पंपों का स्वामित्व और संचालन करती है।

UN में इजराइल और फिलिस्तीन के समाधान पर हुई इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस, जानिए भारत समेत अन्य बड़े देशों ने क्या कहा?

वॉशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र में इजराइल-फिलिस्तीन संकट का स्थायी समाधान निकालने के लिए एक हाई लेवल इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस हुई। इसमें दुनिया के कई देशों ने दो राज्य सिद्धांत पर एकजुट होकर आवाज उठाई। हालांकि अमेरिका और इजराइल ने इस कॉन्फ्रेंस का बहिष्कार किया लेकिन फ्रांस और सऊदी अरब की अध्यक्षता में हुए इस सम्मेलन में 193 सदस्य देशों में से ज्यादातर प्रतिनिधि शामिल हुए।

सम्मेलन के दौरान न्यूयॉर्क डिक्लरेशन नामक एक योजना पेश की गई, जिसमें गाजा में जारी युद्ध को चरणबद्ध तरीके से खत्म करने, और भविष्य में एक स्वतंत्र फिलिस्तीन राज्य की स्थापना की बात कही गई। ये प्रस्ताव इस बात पर भी जोर देता है कि इजराइल की सुरक्षा भी उतनी ही अहम है। आइए जानते हैं भारत समेत दूसरे देशों ने इस पर क्या कहा है?

यूएन महासचिव ने दी चेतावनी

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने अपने उद्घाटन भाषण में कहा कि ये सम्मेलन सिर्फ अच्छी नीयत वाला एक और भाषण मंच बनकर नहीं रह जाना चाहिए। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह सम्मेलन फिलिस्तीन-इजराइल मसले पर कोई ठोस दिशा तय करने वाला मोड़ साबित होगा।

भारत का रुख: बातचीत और कूटनीति का रास्ता

भारत की तरफ से संयुक्त राष्ट्र में स्थायी प्रतिनिधि हरिश पारी ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए दो-राज्य समाधान के प्रति भारत की प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने कहा कि भारत ने हमेशा तत्काल युद्धविराम, मानवीय मदद की आपूर्ति और बंधकों की सुरक्षित रिहाई की मांग की है। भारत मानता है कि संवाद और कूटनीति ही इस जटिल मसले का हल निकाल सकती है।

रूस: इजराइल और फिलिस्तीन दोनों का समर्थन

रूसी उपविदेश मंत्री सर्गेई वर्शिनिन ने सम्मेलन में पुराने इतिहास का हवाला देते हुए बताया कि रूस (तत्कालीन सोवियत संघ) ने सबसे पहले इजराइल को मान्यता दी थी, लेकिन साथ ही वो फिलिस्तीन को भी राज्य का दर्जा देकर दो-राज्य समाधान का मजबूत पक्षधर रहा है। रूस ने फिलिस्तीन के लिए 1990 से ही मॉस्को में दूतावास खोल रखा है।

UAE: ज़मीनी और हवाई राहत अभियान

गाजा में जारी मानवीय संकट को लेकर यूएई के विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री खलीफा शाहीन अल मरार ने कहा कि उनका देश फिलिस्तीनी लोगों तक जरूरी मदद पहुंचाने में सबसे आगे रहा है। उन्होंने कहा कि सिर्फ राहत पहुंचाने से बात नहीं बनेगी। जरूरी है कि तुरंत युद्धविराम हो, बंधक और कैदियों को रिहा किया जाए, और पूरी दुनिया मिलकर गाजा में जारी जंग को रोके। इसके लिए उन्होंने एक स्पष्ट रोडमैप की मांग की, जो एक आजाद और संप्रभु फिलिस्तीन राज्य की ओर ले जाए।

ब्रिटेन: ऐतिहासिक जिम्मेदारी का एहसास

ब्रिटेन के विदेश मंत्री डेविड लैमी ने कहा कि उनका देश दो-राज्य समाधान का समर्थक है और ब्रिटेन की ऐतिहासिक भूमिका के चलते उस पर खास ज़िम्मेदारी बनती है कि वह इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभाए। उन्होंने बताया कि पिछले एक साल में ब्रिटिश सरकार ने कई अहम कदम उठाए हैं जैसे कि UNRWA (जो फिलिस्तीनी शरणार्थियों की मदद करता है) की फंडिंग फिर से शुरू करना, हथियारों का निर्यात रोकना, मानवीय मदद के लिए बड़ी रकम देना और फिलिस्तीनी अथॉरिटी के साथ एक अहम समझौता करना।

बांग्लादेश और पाकिस्तान की तीखी टिप्पणियां

बांग्लादेश ने अपने ऐतिहासिक स्वतंत्रता संग्राम का जिक्र करते हुए फिलिस्तीन के आत्मनिर्णय के अधिकार का समर्थन किया। वहीं पाकिस्तान के उपप्रधानमंत्री इशाक डार ने कहा कि गाजा आज अंतरराष्ट्रीय कानून और मानवता के सिद्धांतों का कब्रिस्तान बन गया है। उन्होंने इजराइल पर आम लोगों और नागरिक ढांचे को निशाना बनाने का आरोप लगाया।

अरब देशों की नई पहल: हमास की आलोचना

सम्मेलन में सबसे अहम बात यह रही कि 'न्यूयॉर्क डिक्लरेशन' में 7 अक्टूबर 2023 को हमास द्वारा इजराइली नागरिकों पर हुए हमले की निंदा की गई। ये पहला मौका है जब कई अरब देशों ने हमास की खुलकर आलोचना की है। इस सम्मेलन से एक बात तो साफ हो गई कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय अब इस पुराने विवाद का स्थायी समाधान चाहता है। लेकिन अमेरिका और इजराइल के न शामिल होने से यह रास्ता आसान नहीं लगता। अब देखना होगा कि सितंबर में जब संयुक्त राष्ट्र महासभा की 80वीं बैठक होगी, तब तक इस डिक्लरेशन को कितने देशों का समर्थन मिल पाता है और क्या वास्तव में कोई ठोस कार्रवाई की शुरुआत होती है।

हिला डाला दर्जनों देशों को...दुनिया का ये छोटा सा कोना क्यों है भूकंप का अड्डा

मॉस्को, एजेंसी। रूस के पूर्वी प्रायद्वीप कामचटका में सबसे बड़ा भूकंप आया है। US जियोलॉजिकल सर्वे के मुताबिक भूकंप की तीव्रता 8।8 थी, जिसके बाद पूरे प्रशांत क्षेत्र में सुनामी का अलर्ट जारी कर दिया गया। इसकी गहराई 19।3 किलोमीटर थी। झटकों की तीव्रता इतनी थी कि लोग घरों से बिना जूते या जैकेट पहने ही बाहर दौड़ते नजर आए। एक किंडरगार्टन स्कूल में नुकसान की पुष्टि हुई। है।

भूकंप के बाद रूस, जापान, अमेरिका (हवाई और अलास्का), कनाडा (ब्रिटिश कोलंबिया), न्यूजीलैंड, चीन, इंडोनेशिया, ताइवान, फिलीपींस, पेरू, मेक्सिको और इक्वाडोर जैसे देशों में सुनामी की चेतावनी जारी की गई। जापान के होक्काइडो द्वीप के नेमुरो तट पर लगभग 30 सेंटीमीटर ऊंची लहरें टकराईं। वहीं, रूस के कुरील द्वीप समूह में भी पहली लहर पहुंचने की खबर आई। जापान ने 20 लाख लोगों को हटाकर सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया है। इसके अलावा अपने फुकुशिमा परमाणु रिएक्टर को खाली को करा लिया है।

कहां है कमचटका?

कमचटका रूस के सुदूर पूर्व में स्थित एक जंगली, पहाड़ी और ज्वालामुखियों से भरपूर प्रायद्वीप है।ये करीब 1200 किलोमीटर लंबा और 480 किलोमीटर चौड़ा है। यहां का मौसम उप-आर्कटिक है, यानी सर्दियां लंबी और बर्फीली होती हैं जबकि गर्मियां बहुत छोटी और ठंडी होती हैं। यहां दो बड़ी पर्वतमालाएं और कई नदियां बहती हैं, जिनमें कमचटका नदी सबसे प्रमुख है। इस इलाके में तुंड्रा से लेकर घने जंगल तक हर तरह की वनस्पति मिलती है।

कमचटका क्यों है भूकंप का अड्डा?

कमचटका प्रायद्वीप भूगर्भीय नजरिए से बेहद संवेदनशील क्षेत्र है। ये क्षेत्र पैसिफिक प्लेट और नॉर्थ अमेरिकन प्लेट के सबडक्शन जोन पर स्थित है, जहां एक प्लेट दूसरी के नीचे खिसकती है। इसी वजह से यहां लगातार भूकंप और ज्वालामुखीय गतिविधियां होती रहती हैं। कमचटका 'रिंग ऑफ फायर' का हिस्सा है। ये वो इलाका है जो प्रशांत महासागर के चारों ओर फैला है और जहां दुनिया के 75% से ज्यादा ज्वालामुखी और 90% भूकंप आते हैं।

इतिहास गवाह है: 1952 में आया था 9.0 तीव्रता का भूकंप

कमचटका इससे पहले भी बड़े भूकंप झेल चुका है। 4 नवंबर 1952 को यहां 9।0 तीव्रता का भूकंप आया था, जिसने हवाई में करीब 30 फुट ऊंची सुनामी लहरें पैदा कर दी थीं। हालांकि, उस समय कोई जानमाल का नुकसान नहीं हुआ था। जुलाई 2025 में ही इस इलाके में पांच बड़े झटके दर्ज किए गए थे, जिनमें एक 7.4 तीव्रता का था। सरकारी एजेंसियां स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं और लोगों को तटीय इलाकों से दूर रहने की सलाह दी गई है। किसी बड़ी सुनामी या जानमाल के नुकसान की अभी पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन खतरा टला नहीं है।

भारत का सीरिया से नया रिश्ता शुरू, अल-शरा सरकार से हुई पहली आधिकारिक मुलाकात

सीरिया। भारत ने एक अहम कदम उठाते हुए पहली बार सीरिया की अंतरिम सरकार से औपचारिक बातचीत की है। ये वही सरकार है, जिसकी अगुवाई एक समय अल-कायदा से जुड़े रहे अहमद अल-शरा कर रहे हैं। भारत की ओर से विदेश मंत्रालय के वेस्ट एशिया और नॉर्थ अफ्रीका (WANA) डिवीजन के निदेशक सुरेश कुमार ने दमिश्क में सीरिया के शीर्ष मंत्रियों से मुलाकात की।

पिछले साल दिसंबर में बशर अल-असद सरकार के पतन के बाद ये पहली बार है जब भारत ने वहां की नई सत्ता से किसी तरह का सीधा संवाद किया है। भारत की इस डिप्लोमैटिक एंट्री को सीरिया की सरकारी न्यूज एजेंसी SANA ने रिपोर्ट किया है। हालांकि भारत सरकार की ओर से इस पर अब तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। सुरेश कुमार की सीरिया के विदेश मंत्री असआद अल-शैबानी और स्वास्थ्य मंत्री मुसाब अल-अली से खास बातचीत हुई। चर्चा का फोकस हेल्थ सेक्टर, फार्मास्युटिकल इंडस्ट्री और मेडिकल ट्रेनिंग पर रहा। रिपोर्ट के मुताबिक, सीरिया ने भारत से स्वास्थ्य तकनीक और दवाइयों के क्षेत्र में मजबूत साझेदारी की उम्मीद जताई है। इसके अलावा, इंजीनियरिंग कोर्स और स्कॉलरशिप जैसे शैक्षिक कार्यक्रमों को भी आगे बढ़ाने पर सहमति बनी है। भारत ने वादा किया कि वह सीरियाई डॉक्टरों की ट्रेनिंग और मेडिकल स्टाफ की स्पेशल ट्रेनिंग में मदद करता रहेगा।

कैसे रहे हैं भारत-सीरिया के रिश्ते

सीरिया और भारत के रिश्ते हमेशा मजबूत रहे हैं। भारत ने हमेशा फिलिस्तीन मुद्दे और गोलान हाइट्स पर सीरिया की दावेदारी का समर्थन किया है। असद शासन के दौरान सीरिया ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत का समर्थन किया, खासकर कश्मीर जैसे संवेदनशील मुद्दों पर। कोविड काल में भारत ने सीरिया को 10 टन दवाएं भेजीं और 2021 में 2000 टन चावल की आपातकालीन मदद दी थी।

इस पहल के पीछे क्या वजह हो सकती है?

बताया जा रहा है कि भारत की इस पहल के पीछे सीरिया की रणनीतिक स्थिति भी एक कारण है। ये देश तुर्की, इराक, जॉर्डन, इज़राइल और लेबनान जैसे अहम देशों से सटा हुआ है। इसके अलावा, हाल ही में अमेरिका की ओर से सीरिया पर से कुछ प्रतिबंध हटाना और ट्रंप-अल-शराआ मुलाकात भी भारत के रुख को प्रभावित कर सकती है।

'2000 आरोपी हैं और 500 गवाह, सुनवाई के लिए स्टेडियम की जरूरत पड़ेगी', किस केस में सुप्रीम कोर्ट ने कही ये बात

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट बुधवार को तमिलनाडु के पूर्व मंत्री वी सेंथिल बालाजी से जुड़े कैश फॉर जॉब स्कैम केस के मामले में सुनवाई कर रही थी। इस केस में 2 हजार आरोपी हैं और 500 से ज्यादा गवाह, इसी के चलते कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार को फटकार लगाई है। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने पूर्व मंत्री से जुड़े मामलों की सुनवाई को लेकर सरकार को फटकार लगाई। साथ ही कोर्ट ने राज्य से सभी 2000 आरोपियों और 500 गवाहों की लिस्ट मांगी है।

कोर्ट ने कहा, 2000 से ज्यादा आरोपियों और 500 गवाहों के साथ, यह भारत का सबसे ज्यादा भीड़-भाड़ वाला मुकदमा होगा। अदालत का एक छोटा सा कोर्ट रूम भी इसके लिए काफी नहीं होगा, बल्कि आरोपियों की उपस्थिति दर्ज कराने के लिए एक क्रिकेट स्टेडियम की भी जरूरत पड़ेगी।

कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार को लगाई फटकार

जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने कहा अगर न्यायिक हस्तक्षेप नहीं होता तो राज्य सरकार मामलों को सम्मानजनक तरीके से समाप्त करना चाहता थी। सुप्रीम कोर्ट ने सेंथिल बालाजी के

वकील गोपाल शंकरनारायणन से कहा2000 से अधिक आरोपियों और 500 गवाहों के साथ यह देश का सबसे अधिक आबादी वाला मुकदमा होगा।

कोर्ट ने कहा, कई AI से संचालित आरोपी अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के लिए अचानक सामने आ जाएंगे। इससे पहले मंगलवार को भी सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार को फटकार लगाई थी। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को माना था कि तमिलनाडु सरकार 2000 आरोपियों को शामिल करके ट्रायल में देरी करना चाहती है।

कोर्ट ने मामले में क्या-क्या कहा?

जस्टिस कांत ने आरोपियों का ब्यौरा मांगते हुए कहा, हम जानना चाहेंगे कि मंत्री के अलावा, कथित दलाल या बिचौलिए कौन थे? मंत्री की सिफारिशों पर कार्रवाई करने वाले अधिकारी कौन थे? चयन समिति के सदस्य कौन थे? नियुक्ति देने वाले अधिकारी कौन थे?" कोर्ट ने आगे कहा कि, यह देखते हुए कि राज्य की कोशिश यह सुनिश्चित करने पर केंद्रित है कि बालाजी के जीवनकाल में मुकदमे की कार्यवाही पूरी न हो, बेंच ने कहा कि पूर्व मंत्री या उनके गुर्गों की ओर से नौकरी के लिए पैसे देने के लिए मजबूर किए गए गरीब लोगों को रिश्वत देने वालों के रूप में फंसाया जा रहा है और "घोटाले" से संबंधित मामलों में आरोपी बनाया जा रहा है।

क्या है पूरा कैश फॉर लैंड स्कैम

सेंथिल बालाजी 2011-2016 के बीच तमिलनाडु के परिवहन मंत्री रहे थे। आरोप है कि मंत्री रहने के दौरान उन्होंने अपने भाई और प्राइवेट असिस्टेंट के साथ मिलकर परिवहन विभाग में इंजीनियरों, ड्राइवरों और कंडक्टरों जैसे पदों पर नौकरी दिलाने का वादा करके घूस लेने का काम किया। इस मामले में उन पर तीन FIR दर्ज की गई हैं। पहली FIR में, 2000 से ज्यादा आरोपियों और 500 गवाहों का नाम हैं। दूसरी FIR में चार्जशीट में 14 आरोपियों और 24 गवाहों का नाम है। तीसरी FIR में चार्जशीट में अभियोजन पक्ष ने 24 आरोपियों और 50 गवाहों का नाम लिया है।

जस्टिस वर्मा की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई पूरी, फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली। इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा की ओर से दाखिल याचिका को लेकर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई पूरी हो चुकी है। जस्टिस दीपंकर दत्ता और एजी मसीह की बेंच ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। पिछली सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने इस याचिका को लेकर सवाल उठाए थे। जस्टिस वर्मा की याचिका में सुप्रीम कोर्ट की अंतरिम जांच समिति की रिपोर्ट को चुनौती दी गई है।

जस्टिस वर्मा की ओर से सीनियर एडवोकेट कपिल सिब्बल ने कोर्ट के समक्ष अपनी दलीलें पेश की जबकि वहीं वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी ने मामले पर सुनवाई टालने की मांग करते हुए कहा कि इस पर अगले हफ्ते सुनवाई की जानी चाहिए। लेकिन कोर्ट ने सुनवाई जारी रखी। सुनवाई के दौरान कपिल सिब्बल ने कहा कि आपने मुझे संवैधानिक मुद्दों पर बिंदु तैयार करने को कहा था, जो मैंने तैयार कर लिए हैं। जस्टिस वर्मा की याचिका में कहा गया कि तीन जजों की आंतरिक जांच समिति की रिपोर्ट को अमान्य करार दिया जाए। साथ ही उन्होंने कहा कि याचिकाकर्ता तथ्य परखने की प्रक्रिया के लिए वैध तंत्र के रूप में आंतरिक जांच प्रक्रिया को चुनौती नहीं दे रहे हैं, बशर्ते कि वह प्रक्रिया कार्यवाही की शुरुआत की ओर न ले जाए। जस्टिस संबंधित जस्टिस को न्यायिक कार्य आवंटित नहीं करने का निर्देश देने के मुख्य न्यायाधीश के अधिकार को भी चुनौती नहीं देते। साथ ही कपिल सिब्बल ने कोर्ट से कहा कि आंतरिक जांच समिति का जस्टिस वर्मा को पद से हटाने की सिफारिश करना असंवैधानिक है। साथ ही कोर्ट की ओर से जांच समिति की रिपोर्ट के खिलाफ पहले आने से जुड़े सवाल पर सिब्बल ने कहा, कि जस्टिस वर्मा ने पहले संपर्क नहीं किया क्योंकि टेप जारी हो चुका था और उनकी छवि पहले ही खराब हो चुकी थी। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने 28 जुलाई को सुनवाई के दौरान जस्टिस वर्मा से उनकी उस याचिका को लेकर सवाल किए, जिसमें उन्होंने घर से कैश बरामदगी मामले में आंतरिक जांच समिति की रिपोर्ट को चुनौती दी। कोर्ट ने जस्टिस से सवाल किया कि इस प्रक्रिया में भाग लेने के बाद अब वह इस पर सवाल कैसे उठा सकते हैं। आंतरिक जांच समिति ने जस्टिस वर्मा के दिल्ली स्थित आवास से कैश बरामदगी मामले में उन्हें कदाचार का दोषी पाया था। यह घटना मार्च की है, तब उनके सरकारी आवास से कथित तौर पर बड़ी मात्रा में जले हुए नोट मिले थे। इस दौरान जस्टिस वर्मा दिल्ली हाईकोर्ट के जस्टिस थे। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस एजी। मसीह की बेंच ने जस्टिस वर्मा से सवाल किया कि वह जांच पूरी होने और फिर रिपोर्ट जारी होने तक का इंतजार क्यों कर रहे थे। बेंच ने जस्टिस वर्मा के वकील कपिल सिब्बल से कई सवाल पूछे, "वह जांच समिति के सामने क्यों पेश हुए? आपने जांच पूरी होने और रिपोर्ट जारी होने का इंतजार क्यों किया? क्या आप कोर्ट इसलिए आए थे कि वीडियो हटा दिया जाए? क्या आप जांच समिति के समक्ष यह सोचकर आए थे कि फैसला आपके पक्ष में आ सकता है?" इस सवाल पर सिब्बल ने कहा कि जांच समिति के सामने पेश होना उनके (जस्टिस वर्मा) खिलाफ नहीं माना जा सकता।

48 घंटे-4 ऑपरेशन... 5 आतंकी ढेर-एक अरेस्ट, सुरक्षाबलों को ऐसे मिली कामयाबी

पुंछ। आतंकवाद को जड़ से खत्म करने के लिए जम्मू कश्मीर के अलग-अलग इलाकों में सुरक्षाबलों द्वारा ऑपरेशन जारी है। आतंकियों का नामोनिशान मिटाने के लिए सुरक्षा बलों द्वारा 'ऑपरेशन महादेव' के बाद अब 'ऑपरेशन शिवशक्ति' चलाया जा रहा है। पिछले 48 घंटे के अंदर सुरक्षाबलों ने 4 कामयाब ऑपरेशन किए हैं, इनमें कश्मीर के दाचीघाम इलाके में ऑपरेशन महादेव के तहत तीन आतंकियों को ढेर किया गया, उसके बाद कुपवाड़ा में भारी मात्रा में असल बारूद बरामद किया गए। आज ही पुंछ के देगावर में ऑपरेशन शिव शक्ति चला कर सुरक्षा बलों ने लश्कर के दो आतंकी ढेर किए और नगरोटा में एक आतंकी मददगार तीन पिस्टल के साथ पकड़ा गया।

जम्मू कश्मीर में आतंकवादियों को लेकर सुरक्षाबलों को एक और सफलता हाथ लगी है। बुधवार को जम्मू-कश्मीर के पूंछ के देवागर सेक्टर में 'ऑपरेशन शिवशक्ति' के तहत दो आतंकियों को घुसपैठ करते हुए सुरक्षा बलों ने ढेर कर दिया। इसके अलावा सुरक्षाबलों ने लश्कर ए तौबा के दो आतंकी मार गिराए गए। इन आतंकवादियों के पास से तीन वैपन और गोला बारूद बरामद हुआ है।

अजान के पास से तीन पिस्तौल बरामद

जम्मू के नगरोटा इलाके में भी पुलिस ने एक आतंकी मददगार को तीन पिस्टल के साथ गिरफ्तार किया है। जानकारी के मुताबिक इस आतंकी मददगार का नाम अजान हमीद गाजी है जो श्रीनगर का रहने वाला है। अजान अपनी टोयोटा गाड़ी से जम्मू से कश्मीर घाटी को और जा रहा था, जब पुलिस ने उसे नगरोटा नाके पर रोक लिया। जांच में पता चला कि इसके पास तीन तुर्की और चाइनीज मेड पिस्टल है। अजान ने इन पिस्तौल को ड्राइवर के पास वाली सीट के नीचे छुपा रखा था। सूत्रों के मुताबिक ये पिस्तौल कश्मीर घाटी में किसी बड़ी टारगेटेड किलिंग को अंजाम देने के लिए दिए जाने थे, जिसे सुरक्षा बलों ने समय रहते टाल दिया।

PoK में 40 आतंकी कैंप सक्रिय

हाल ही में मिली रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (PoK) में अब केवल 40 आतंकी कैंप सक्रिय हैं, जिनमें करीब 110 से 130 आतंकी मौजूद हैं। वहीं, जम्मू-कश्मीर में इस समय कुल 135 से 140 , जिसमें जम्मू में 60 से 65 और कश्मीर में 70 से 75 आतंकी सक्रिय हैं।

सिद्धार्थ-जाह्नवी की 'परम सुंदरी' की नई रिलीज डेट का ऐलान, फिल्म का मोशन पोस्टर भी आया सामने

सिद्धार्थ मल्होत्रा और जाह्नवी कपूर की फिल्म परम सुंदरी के मेकर्स ने इसकी रिलीज डेट का ऑफिशियली ऐलान कर दिया है। फिल्म सिनेमाघरों में कब दस्तक देगी, चलिए आपको बताते हैं।

दिनेश विजान के मैडॉक तले बनी फिल्म 'परम सुंदरी' की नई रिलीज डेट अब सामने आ गई है। सिद्धार्थ मल्होत्रा और जाह्नवी कपूर स्टारर इस फिल्म को अब 29 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। फिल्म के मेकर्स की तरफ से इस बात की ऑफिशियल जानकारी दी गई है। इससे पहले फिल्म 25 जुलाई को रिलीज की जानी थी। फिल्म का एक मोशन पोस्टर भी सामने आया है जिसमें सिद्धार्थ और जाह्नवी नजर आ रहे हैं।

'परम सुंदरी' की स्टार कास्ट

इन दिनों बॉलीवुड में लवस्टोरी पर बेस्ड फिल्मों का बोलबाला देखने को मिल रहा है। जब से अहान पांडे और अनीत पड्डा की फिल्म सैयारा रिलीज हुई है, तभी से ऐसा लग रहा है मानो सिनेमा में प्रेमकहानी पर बनी फिल्मों को नया जीवन मिल गया है। इसी कड़ी में पहले फिल्म 'धड़क 2' रिलीज होगी, जिसमें सिद्धार्थ चतुर्वेदी और तृप्ति डिमरी की जोड़ी नजर आएगी। फिर महीने के आखिर तक सिद्धार्थ मल्होत्रा और जाह्नवी कपूर की ये फिल्म रिलीज हो जाएगी। 29 अगस्त को सिनेमाघरों में फिल्म 'परम सुंदरी' को रिलीज किया जाएगा।

कैसी होगी फिल्म की कहानी?

'परम सुंदरी' में सिद्धार्थ दिल्ली के एक अमीर या कहें बड़े कारोबारी परम का किरदार निभा रहे हैं। उधर जाह्नवी एक ऐसी लड़की (सुंदरी) के किरदार में हैं, जो केरल से ताल्लुक रखती है और पेशे से एक कलाकार है, जो अपनी परंपराओं और उसूलों की पक्की है। फिल्म में दिखाया जाएगा कि कैसे 2 एकदम अलग-अलग मिजाज के लोग एक-दूसरे के प्यार में पड़ जाते हैं। ये फिल्म उनकी प्रेम कहानी पर बेस्ड होगी। इस फिल्म को तुषार जलोटा डायरेक्ट कर रहे हैं, जो इससे पहले 2022 में आई फिल्म 'दसवी' का निर्देशन कर चुके हैं।

फातिमा सना शेख ने कुछ यूं रखी किताब, नेटिजंस देख चौंके; बोले- 'ये सिर्फ वही कर सकती हैं'

अभिनेत्री फातिमा सना शेख इन दिनों अपनी फिल्म 'आप जैसा कोई' से चर्चा में हैं, जो नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो चुकी है। इसी दौरान एक्ट्रेस का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें उन्होंने बिल्कुल अनोखे अंदाज में किताब को पकड़ रखा है। ये तरीका नेटिजंस को पसंद भी आ रहा है और आश्चर्य भी कर रहा है। आइए देखें क्या है वायरल वीडियो और यूजर्स के रिएक्शंस।

सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें अभिनेत्री फातिमा सना शेख मुंबई एयरपोर्ट पर नजर आ रही है। एक्ट्रेस व्हाइट शर्ट और ब्लू कलर की जींस पहने दिख रही हैं। इसके अलावा देखा जा सकता है कि अभिनेत्री ने एक ब्लैक कलर का साइड बैग टांग रखा है, जिसकी पट्टी पर उन्होंने एक किताब को अनोखे तरीके से फंसा रखा है। इस नायाब तरीके को देख नेटिजंस हैरान हो रहे हैं।

नेटिजंस दे रहे प्रतिक्रियाएं

इस वीडियो के वायरल होते ही नेटिजंस की प्रतिक्रियाएं आन लगी हैं। एक यूजर ने लिखा कि नया ट्रिक लॉन्च हो गया, जो उन्हें पसंद आया। वहीं दूसरे यूजर ने कमेंट सेक्शन में हंसते हुए लिखा कि अरे वो बुकमार्क है। एक और यूजर ने बोला कि ये केवल एक्ट्रेस ही कर सकती हैं। इसके अलावा एक अन्य यूजर ने लिखा कि वाह नायाब तरीका।

फातिमा सना शेख का वर्कफ्रंट

फातिमा सना शेख के सिनेमाई करियर की बात करें, तो इस समय वह अपनी फिल्म 'आप जैसा कोई' से चर्चा में हैं, जो 11 जुलाई को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई। विवेक सोनी के निर्देशन में बनी इस फिल्म की प्रेम कहानी दर्शकों का दिल जीत रही है। इससे पहले एक्ट्रेस को 'मेट्रो इन दिनों' में भी देखा गया था।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित। शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com